पटना ●सोमवार, 11 नवंबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः297 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

श्री सोमेश्वर नाथ महोत्सव आयोजन... 3 www. bordernewsmirror.com पुष्पाः द रूल में नजर आएंगी... 7

घुसपैठ रोकने के साथ रोजगार और महिला सुरक्षा के लिए भाजपा की सरकार जरूरी : नरेन्द्र मोदी

एजेंसी। गुमला

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को झारखंड के गुमला में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड में घुसपैठ रोकने के लिए, युवाओं के रोजगार के लिए, झारखंड की पहचान बचाने के लिए और महिला सुरक्षा के लिए प्रदेश में भाजपा सरकार जरूरी है। मोदी ने यूपीए 2004 से 2014 तक केंद्र में रही कांग्रेस नीत यूपीए सरकार का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब डॉ. मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे, तो सोनिया गांधी सरकार चलाती थीं। उन्होंने झारखंड को कुछ नहीं दिया। राज्य बनने का भी विरोध किया। कांग्रेस और उसके सहयोगी जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 वापस लाने के लिए विधानसभा में प्रस्ताव लाए। उनका ये सपना कभी पूरा नहीं होगा। हमनें 370 को जमीन में गाड़ दिया है। अब ये इसे कभी नहीं लागू कर पाएंगे। मोदी ने कांग्रेस के जातिगत गणना करवाने के वादे पर कहा कि कांग्रेस सत्ता के लालच में छोटी-छोटी जातियों को बांटकर उन्हें आपस में लड़ाना चाहती है। इसलिए वे जातिगत जनगणना कराने की बात

करते हैं। उन्होंने कहा कि झामुमो-कांग्रेस ओबीसी की जातियों को आपस में लड़ाना चाहती हैं। ये चाहते हैं कि ओबीसी की छोटी-छोटी जातियां खुद को ओबीसी मानना छोड़ दें और अपनी-अपनी जातियों में उलझे रहें। क्या आप चाहते हैं कि यहां का ओबीसी समाज टूट जाए? आपको मंजूर है? यदि टूट गए तो आपकी आवाज कमजोर होगी या नहीं? इसलिए हमें यह याद रखना है, एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे।' वो ऐसा इसलिए करना चाहते हैं, क्योंकि ये चुनाव नहीं जीत पा रहे हैं। वर्ष 1990 से कांग्रेस कभी लोकसभा में 250 सीटें नहीं जीत पाई है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन को जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने का मौका मिला तो उन्होंने कश्मीर के खिलाफ साजिशें शुरू कर दीं। कुछ दिन पहले उन्होंने जम्मू-कश्मीर विधानसभा में धारा 370 को बहाल करने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया। क्या देश इसे स्वीकार करेगा? जब भाजपा विधायकों ने पूरी ताकत से इसका विरोध किया, तो उन्हें विधानसभा से बाहर फेंक दिया गया। पूरे देश को कांग्रेस और उसके गठबंधन की सच्चाई समझनी होगी।

घुसपैठ को हेमंत सरकार दे रही बढ़वा

मोदी ने कहा कि झारखंड में घुसपैठ को कांग्रेस और जेएमएम की सरकार बढ़ावा दे रही है। यह खतरनाक है। यदि अपनी बेटियों को बचाना है तो यहां भाजपा को जिताइए। उन्होंने कहा कि हरियाणा की सरकार ने तुरंत बिना खर्ची, बिना पर्ची युवाओं को नौकरी देना शुरू कर दिया है। यहां की सरकार तो खर्ची का मतलब पैसा, पर्ची का मतलब पैरवी समझती हैं। हमारी सरकार आई तो हम यहां भी बिना खर्ची, बिना पर्ची कल्चर को लागू करेंगे। हरियाणा वाले इनके झांसे में नहीं आए। आप लोगों को भी नहीं आना है।

झारखंड में भाजपा के पक्ष में चल रही प्रचंड आंधी

बोकारो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहा कि झारखंड में भाजपा के पक्ष में प्रचंड आंधी चल रही है। रोटी-बेटी-माटी की पुकार, अबकी बार-भाजपा सरकार। उन्होंने कहा कि हमने झारखंड बनाया है और हम ही झारखंड को संवारेंगे। झारखंड गठन का विरोध करने वाले राज्य का विकास नहीं करेंगे। वे रविवार को बोकारो के चंदनकियारी में भाजपा की विजय संकल्प सभा को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने कहा कि एक आंकड़ा देता हूं, जिससे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 तक केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। मैडम सोनिया गांधी सरकार चलाती थीं और मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री के रूप में बैठाया गया था। तब केंद्र सरकार ने झारखंड को 10 साल में बड़ी मुश्किल से 80,000 करोड़ रुपये दिए थे। इसके 10 साल बाद दिल्ली में सरकार बदली। आप सबने केंद्र में अपने सेवक मोदी को सेवा करने का अवसर दिया। हमने पिछले 10 साल में 3,00,000 करोड़ रुपये से अधिक झारखंड को दिए। हमारा प्यार चार गुणा ज्यादा है। क्योंकि, झारखंड को हमने बनाया है। हम ही तो संवारेंगे। मोदी ने कहा कि भाजपा चाहती है कि गरीबों को पक्का घर मिले। शहरों और गांवों की सड़कें बनें। बिजली और पानी मिले। इलाज, शिक्षा, सिंचाई और दवाई की सुविधा हो लेकिन जेएमएम सरकार में पिछले पांच साल में क्या हुआ? आपकी अपनी ये सुविधाएं कांग्रेस-झामुमो के लोगों ने लूट लिया। इनके नेता बालू तस्करी से करोड़ों कमा रहे हैं और आप मुट्ठी भर बालू के लिए तरस रहे हैं। इनके पास नोटों के पहाड़ निकल रहे हैं। इतने नोट निकल रहे हैं कि गिनते-गिनते मशीनें भी थक जाती हैं।

इस साल देश पर मौसम के कहर से भारी नुकसान

एजेंसी। नई दिल्ली

2024 के पहले नौ महीनों में भारत में मौसम की भयानक मार देखने को मिली है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) की रिपोर्ट के अनुसार, 2024 के पहले नौ महीनों में भारत के 93 प्रतिशत दिनों में बेहद खराब मौसम रहा है। 274 दिनों में से 255 दिन देश के विभिन्न हिस्सों में गर्मी, सर्दी, चक्रवात, बाढ़, बारिश और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण भारी जन-माल की हानि हुई है। इन घटनाओं में 3,238 लोगों की जानें गईं हैं, वहीं 2.35 लाख से ज्यादा घर बर्बाद हो गए हैं। इस दौरान 32 लाख हेक्टेयर से अधिक जमीन पर फसलें बर्बाद हो गईं हैं। रिपोर्ट में 2023 के मुकाबले 2024 में मौसम की मार को ज्यादा घातक रही है। पिछले साल देश में 273 में से 235 दिन खराब मौसम के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा था, जिसमें 2,923 लोगों की मौत हुई थी और 18.4 लाख हेक्टेयर जमीन पर फसलें नष्ट हुईं थीं।

सीएसई की रिपोर्ट में खुलासाः 3000 से ज्यादा मौतें

मध्य प्रदेश केरल और असम में मौसम का कहर : रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में मध्य प्रदेश केरल और असम जैसे राज्यों में मौसम ने सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। मध्य प्रदेश में 176 दिन ऐसे थे जब मौसम ने कहर बरपाया, जबकि केरल में सबसे ज्यादा 550 मौतें हुईं। महाराष्ट्र में 142 दिन मौसम का कहर देखने को मिला, यहां फसलों का 60 फीसदी हिस्सा तबाह हो गया। सीएसई की महानिदेशक सुनीता नारायण ने कहा कि यह रिपोर्ट सिर्फ एक चेतावनी है और यह दिखाती है कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को नजरअंदाज करना कितना भारी पड़ सकता है।

जलवायु परिवर्तन से निपटने प्रभावी कदम उठाने की जरूरत : जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाए बिना, प्राकृतिक आपदाओं के संकट में और भी वृद्धि हो सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि जनवरी 2024 का महीना 1901 के बाद से भारत का 9वां सबसे शुष्क महीना रहा, जबकि फरवरी में 123 वर्षों में दूसरा सबसे अधिक न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

संक्षिप्त समाचार

सेना ने तीन आतंकियों को घेरा, मुठभेड़ जारी

जम्मू। जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं पर पूरी तरह लगाम नहीं लग पा रही है। यहां आए दिन हत्याएं हो रही हैं और आतंकी खूनी खेल,खेल रहे हैं। श्रीनगर के हरवान इलाके में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ जारी है। 2 से 3 आतंकियों के इस मुठभेड़ में शामिल होने का दावा किया जा रहा है। 2 नवम्बर को भी श्रीनगर में एक मुठभेड़ में एक शीर्ष आतंकी कमांडर मारा गया था। करीब 2 सालों के अरसे के बाद श्रीनगर में मुठभेड़ों का सिलसिला आरभ होने के कारण श्रीनगर के नागरिक दहशत और चिंता में हैं। पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की विशेष सूचना पर घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि जैसे ही संयुक्त दल संदिग्ध स्थान की ओर बढ़ा, छिपे हुए आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी की, जिसका जवाब दिया गया और मुठभेड़ शुरू हो गई। उत्तरी कश्मीर के सोपोर कस्बे के रामपोरा इलाके में शनिवार देर शाम को एक तलाशी अभियान के दौरान हुई मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया था। जानकारी के अनुसार पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने रामपोरा में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया।

ट्रंप ने कमला हैरिस पर कसा तंज कहा- कर्ज बढ़ गया है, बोलो तो कुछ पैसे भेज दूं

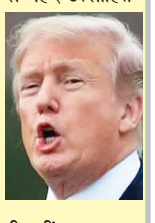

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी ऐतिहासिक जीत से बेहद उत्साहित हैं और उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए डेमोक्रेट पार्टी की उपराष्ट्रपति उम्मीदवार कमला हैरिस पर तंज कसा है। ट्रंप ने लिखा, मैं हैरान हूं कि 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में जिन्होंने जमकर प्रचार किया और रिकॉर्ड चुनावी चंदा जुटाया, आज उनके पास कुछ भी नहीं बचा है। वह कंगाल हो गई हैं। ट्रंप के इस बयान से उनके विरोधी डेमोक्रेट पार्टी और कमला हैरिस पर निशाना साधा गया है। कमला हैरिस ने 2020 के चुनाव प्रचार के लिए लगभग एक अरब डॉलर का फंड जुटाया था। रिपोर्टों के मुताबिक, चुनावी अभियान के दौरान डेमोक्रेट पार्टी ने इस फंड को बेतहाशा खर्च किया, लेकिन हार के बाद पार्टी के भीतर वित्तीय संकट उभरने लगा है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कमला हैरिस और डेमोक्रेट पार्टी पर करीब दो करोड़ डॉलर का कर्ज चढ़ गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने इस मुद्दे पर कमला हैरिस की मदद करने का दावा करते हुए पोस्ट में कहा, हमारे पास पर्याप्त पैसा है और हम इस कठिन समय में कमला की सहायता करना चाहते हैं। ट्रंप ने अपनी पार्टी की वित्तीय स्थिति पर भी जोर देते हुए कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान उनकी सबसे बड़ी संपत्ति 'अर्न मीडिया' थी, जिस पर उन्हें बहुत ज्यादा खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ी। इसके अलावा, ट्रंप ने आरोप लगाया कि डेमोक्रेट पार्टी ने अपने चुनावी अभियान में कोई ठोस रणनीति नहीं बनाई और पैसे बेतहाशा खर्च किए।

हिन्दू मंदिर पर हमले के खिलाफ कनाडा उच्चायोग के बाहर सिखों का प्रदर्शन

एजेंसी। नई दिल्ली

कनाडा में हिन्दू मंदिर पर हुए हमले के खिलाफ रविवार को सिखों ने दिल्ली स्थित कनाडा उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के चलते दिल्ली में कनाडाई उच्चायोग के बाहर बड़ी संख्या पुलिस बल तैनात रहा है। कनाडा के उच्चायोग, चाणक्यपुरी जा रहे हिंदू सिख ग्लोबल फोरम के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने तीन मूर्ति मार्ग पर रोक दिया। इस दौरान कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के खिलाफ लोगों ने जमकर नारेबाजी की। इन लोगों के हाथों में विभिन्न नारे लिखे पोस्टर लिए हुए थे, जिसमें हिन्दू सिख एकता और श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी का बलिदान, नहीं बंटेगा हिन्दुस्थान के नारे लिखे हुए थे। उल्लेखनीय है कि कनाडा के टोरंटो के पास ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के साथ मिलकर आयोजित

एक वाणिज्य दूतावास शिविर के बाहर भारत विरोधी खालिस्तानी तत्वों ने रविवार 3 नवंबर को हिंसक व्यवधान पैदा किया था। 2-3 नवंबर को वैंकूवर और सरे में आयोजित इसी तरह के शिविरों को भी बाधित करने का भी प्रयास किया गया था। मंदिर के बाहर की गई हिंसा के कई वीडियो सामने आए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी ब्रैम्पटन में हिन्दू मंदिर पर हुए हमले की कड़ी निंदा की थी। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि कनाडा सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी।

समुद्र में 39 दिन की यात्रा कर ऑस्ट्रेलिया पहुंची भारतीय नौसेना की नौकायन पोत 'तारिणी'

एजेंसी। नई दिल्ली

समुद्र में 39 दिन की चुनौतीपूर्ण यात्रा के बाद भारतीय नौसेना की नौकायन पोत तारिणी 'नाविका सागर परिक्रमा' के दूसरे चरण में ऑस्ट्रेलिया के फ्रेमेंटल में बंदरगाह पर पहुंच गई है। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने 2 अक्टूबर को गोवा से इस ऐतिहासिक अभियान को हरी झंडी दिखाई थी। इस अभियान में दो महिला नौसेना अधिकारी लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के. और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए भारतीय नौसेना के पोत तारिणी से ऐतिहासिक जल यात्रा पर निकलीं हैं। यह ऐतिहासिक घटना नौसेना के समुद्री नौकायन इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि यह भारतीय महिलाओं की नौकायन पोत से दुनिया की पहली परिक्रमा है। यह अभियान भारत के समुद्री प्रयासों का प्रतीक है, जो वैश्विक समुद्री गतिविधियों में देश की प्रमुखता और उत्कृष्टता और महिला सशक्तिकरण के प्रति भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अब तक दोनों महिला अधिकारियों ने गोवा से 4900 नॉटिकल मील की दूरी तय की है। इन्होंने 16 अक्टूबर को भूमध्य रेखा और 27 अक्टूबर को मकर रेखा को पार किया है। नौसेना के अनुसार इस 38 दिन की नॉनस्टॉप यात्रा के दौरान लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए की जोड़ी ने शांत से लेकर गंभीर मौसम की स्थिति का सामना किया। वैश्विक परिक्रमा अभियान चला रहीं दोनों महिला अधिकारी 9 नवंबर को भारतीय समयानुसार लगभग 14.30 बजे ऑस्ट्रेलिया के फ्रेमेंटल में बंदरगाह पर पहुंचीं। अभियान की प्रगति पर नौसेना प्रमुख एडमिरल त्रिपाठी खुद बारीकी से नजर रखकर प्रतिदिन अपडेट ले रहे हैं। दिवाली की पूर्व संध्या पर उन्होंने चालक दल के सदस्यों से बातचीत की और पाया कि वे अपने मिशन के लिए पूरी तरह से प्रेरित और समर्पित हैं। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के तमिल संघ ने पराई ड्रम और कोम्बू थराई ड्रम का उपयोग करके स्वागत समारोह को शास्त्रीय संगीत की ध्वनि से और समृद्ध किया।

अब तक दोनों महिला अधिकारियों ने गोवा से 4900 नॉटिकल मील की दूरी तय की

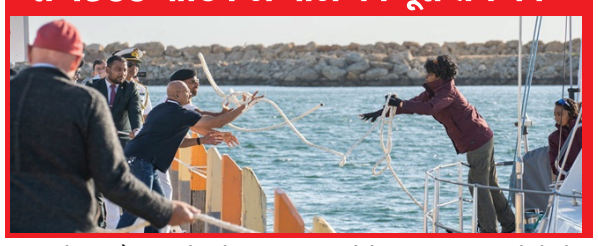

इस बजट में एमएसएमई क्षेत्र के लिए नई क्रेडिट गारंटी योजना लाएंगे: वित्त मंत्री

बेंगलूरू। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि इस बार बजट में सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यमों (एमएसएमई) के

लिए 100 करोड़ रुपए तक की क्रेडिट गारंटी योजना का प्रस्ताव मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। सीतारमण ने एक कार्यक्रम में कहा कि इस बजट में एमएसएमई क्षेत्र के लिए की गई घोषणाओं में से चार पहले ही लागू हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि 100 करोड़ रुपए तक की गारंटी योजना का प्रस्ताव जल्द ही मंत्रिमंडल को भेजा जाएगा और उसकी मंजूरी के बाद इसे तुरंत लागू किया जाएगा। इस योजना के तहत एमएसएमई इकाइयों को कर्ज लेने में जोखिम को कम करने के लिए गारंटी दी जाएगी। इसके लिए एक स्ववित्त पोषित गारंटी कोष बनाया जाएगा, जिससे कर्ज लेने वाले आवेदकों को 100 करोड़ रुपए तक की गारंटी प्रदान की जाएगी। इसके तहत आवेदकों को गारंटी शुल्क जमा करना होगा और फिर बैंक वार्षिक गारंटी फीस वसूलेंगे। सीतारमण ने कहा कि कोविड महामारी में सरकार ने एमएसएमई इकाइयों को विशेष मदद दी थी और बैंकों ने इन इकाइयों को आपातकालीन नकदी सहायता के लिए क्रेडिट गारंटी योजना के तहत फोन कॉल और एसएमएस भेजे थे।

सुनीता की सेहत हो रही खराब, पिचके गाल और कमजोर हड्डियों ने बढ़ाई चिंता

वॉशिंगटन। 155 दिन से अंतरिक्ष में रह रहे सुनीता विलियम्स की सेहत खराब हो रही है। उनकी हड्डियां

कमजोर हो गई हैं और गाल भी पिचक गए है। इससे नासा की चिंता बढ़ी है और वैज्ञानिक उन्हे सकुशल धरती पर लाने के प्रयास कर रहे हैं। अंतरिक्ष में अपने स्वास्थ्य को बनाए रखना चुनौतीपूर्ण है, और इस समय भारतीय-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के वजन घटने को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं। सुनीता विलियम्स, जो जून में अपने अंतरिक्ष मिशन पर रवाना हुई थीं, अब नवंबर में अपने मिशन के 155 दिन पूरे कर चुकी हैं। इस दौरान उनके वजन में काफी कमी आई है, और नासा के डॉक्टर उनकी सेहत को लेकर चिंतित हैं। उन्हें प्रतिदिन 5,000 कैलोरी का सेवन करने की सलाह दी जा रही है, ताकि उनका वजन बढ़ाया जा सके और सेहत को सही रखा जा सके। अंतरिक्ष में रहते हुए शरीर का मेटाबॉलिज्म बदल जाता है और गुरुत्वाकर्षण की कमी के कारण मांसपेशियों और हड्डियों पर भी प्रभाव पड़ता है। नासा के अनुसार, अंतरिक्ष में तरल पदार्थ ऊपरी शरीर में जमा होने लगते हैं, जिससे ब्लड प्रेशर और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। सुनीता विलियम्स के लिए भी ये एक चुनौती बन गई है कि वे उतनी कैलोरी नहीं ले पा रही हैं जितनी की उन्हें चाहिए। मिशन की शुरुआत में उनका वजन 140 पाउंड (63 किलोग्राम) था, जो अब और कम हो गया है। इसलिए नासा के डॉक्टरों ने उन्हें 3,500 से 4,000 कैलोरी प्रतिदिन लेने की सलाह दी है।

गडकरी ने फिर साधा निशाना बोले- भाजपा की फसल में कीड़े हैं, पेस्टिसाइड की जरुरत

मुंबई। एक बार फिर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का बयान चर्चा में आ गया। गडकरी खुद राज्य की नागपुर सीट से सांसद हैं। वह राज्य सरकार में भी मंत्री रह चुके हैं। एक निजी चैनल से बातचीत में नितिन गडकरी ने कहा कि वह जब कोई फसल बढ़ती है तो उसमें कीड़े भी ज्यादा लगते हैं। उन्होंने कहा कि बीते दिनों में भाजपा की फसल काफी बढ़ी है और इसमें कुछ दागी नेता भी आ गए हैं। इस कारण फसल को बीमारी मुक्त करने के लिए कीटनाशक का छिड़काव करने की जरूरत है। गडकरी ने भाजपा के तेज गति से विस्तार को संदर्भ में कहा कि पार्टी के पास कई तरह की फसल है। इससे काफी अच्छी पैदावार होती है लेकिन इसके साथ कुछ बीमारियां भी आती हैं। ऐसे में हमें बीमारी वाली

फसलों पर कीटनाशक के छिड़काव की जरूरत है। उन्होंने आगे भाजपा की एकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की जिम्मेदारी है कि वे नए नेताओं को वैचारिक ट्रेनिंग दें। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है। अलग-अलग कारणों से लोग भाजपा में आ रह हैं। यह हमारी जम्मेदारी है कि हम उन्हें ट्रेनिंग दें। उनमें विचारधारा भरें और उन्हें अपना कार्यकर्ता बनाएं। इस दिशा में हमारी कोशिश चलती रहती है। नितिन गडकरी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भाजपा राज्य में शिवेसना शिंदे गुट और अजीत पवार की एनसीपी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। एनसीपी नेता अजीत पवार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। खुद भाजपा ने उन पर ये आरोप लगाए थे। लेकिन, बाद में वह भाजपा के साथ सरकार में डिप्टी सीएम बन गए। केंद्रीय मंत्री ने भारतीय संविधान के धर्मनिरपेक्ष सिद्धांत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन को निश्चितताैर पर धर्मनिरपेक्ष होना चाहिए। हमारे देश में विधारधारा में अंतर कोई समस्या नहीं है बल्कि विचार की कमी सबसे बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा कि सुविधाजनक राजनीति नहीं बल्कि प्रतिबद्ध राजनीति आज की जरूरत है।

उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए सर्दियों में रोजाना खाएं सिंघाड़ा, बवासीर में भी करता है फायदा

एजेंसी। नई दिल्ली

तनाव एक मानसिक विकार है, जिसका कोई ठोस इलाज फिलहाल उपलब्ध नहीं है। व्यक्ति खुद के प्रयासों से ही इस समस्या से उबर सकता है। इस तनाव से कई अन्य बीमारियां जन्म लेती हैं। उच्च रक्तचाप की बीमारी तनाव की वजह से होती है। उच्च रक्तचाप से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। हेल्थ विशेषज्ञों के अनुसार अत्यधिक तनाव की वजह से उच्च रक्तचाप की बीमारी होती है। इससे बचने के लिए तनाव कम करना जरूरी है। उच्च रक्तचाप को कंट्रोल करने के लिए पोटेशियम रिच फूड्स का सेवन अधिक किया जाना चाहिए। इसके अलावा, सर्दियों में उच्च रक्तचाप कंट्रोल करने के लिए सिंघाड़ा का

सेवन किया जा सकता है। इसके सेवन से उच्च रक्तचाप नियंत्रण में रहता है। इसके अलावा, पानी फल खाने के कई अन्य फायदे भी हैं। सिंघाड़ा पानी में पैदा होने वाला एक फल है। यह त्रिभुजाकार होता है। इसमें बैल की सींग की तरह कांटे होते हैं। अंग्रेजी में सिंघाड़ा को वाटर चेस्टनट कहते हैं। देसी भाषा में सिंघाड़ा को पानी फल कहा जाता है। वहीं, छिलके को अच्छी तरह से सुखाकर आटा तैयार किया जाता है। इस आटे का व्रत में यूज किया जाता है। वहीं, सेहत के लिए भी सिंघाड़ा किसी वरदान से कम नहीं है। इसके सेवन से मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप में बहुत जल्द आराम मिलता है। कई शोधों में दावा किया गया है कि सिंघाड़ा खाने से उच्च रक्तचाप कंट्रोल में रहता है। इसमें पोटेशियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। पोटेशियम युक्त चीजों के सेवन से उच्च रक्तचाप नियंत्रण में रहता है। साथ ही दिल की बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है। इसके अलावा, सिंघाड़ा खाने से बवासीर में भी आराम मिलता है। बवासीर के मरीजों को सिंघाड़ा का अवश्य सेवन करना चाहिए। सिंघाड़े में फाइबर अधिक मात्रा में पाया जाता है, जो वजन घटाने में फायदेमंद होता है। मोटापे से पीड़ित मरीज भी सिंघाड़े का सेवन कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

पानी में डूबने से छात्र की मौत : भोजपुर में दोस्तों के साथ गड्ढा में नहाने गया था

आरा (भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महुली गांव में पानी भरे गड्ढे में डूबने से एक छात्र की मौत हो गई। मृत छात्र मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महुली गांव निवासी शत्रुघन यादव का 15 वर्षीय पुत्र अभिषेक यादव है। वह नौवीं कक्षा का छात्र था। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से बच्चे को बाहर निकला। इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। शव को पोस्टमार्टम कराया गया। मृत छात्रा के पिता शत्रुघन यादव ने बताया कि वह गांव के ही बच्चों के साथ गांव में स्थित पानी बड़े गड्ढे के किनारे गया हुआ था। वह बच्चों के साथ नहाने लगा। तभी पानी अधिक होने के कारण वह उसमें डूब गया। इसके बाद वह मौजूद बच्चों ने इसकी सूचना उसके परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन फौरन वहां पहुंचे और स्थानीय लोगों के सहयोग से उसे पानी से बाहर निकल गया। इसके बाद परिजन अपनी संतुष्टि को लेकर उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लेकर आए। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया। बताया जाता है कि मृत छात्र अपने चार बहन व दो भाई में छोटा था। उसके परिवार में मां उर्मिला देवी व चार बहन नीतू देवी, प्रियंका देवी, सबिता देवी, चंदा कुमारी एवं एक भाई राम सेवक यादव है।

कपड़ा व्यत्सायी को गोली मारकर लूटपाट : छपरा में 2 लाख लेकर भागे

छपरा, एजेंसी। छपरा में कपड़ा व्यवसायी को लूट के दौरान गोली मारी गई है। घटना एकमा परसा मुख्य मार्ग की है। गोली मारने के बाद व्यवसायी से बदमाशों ने 2 लाख रुपए छीने और फरार हो गए। फिलहाल शख्स को गंभीर स्थिति में इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि बदमाशों ने बाइक से व्यवसायी की स्कॉर्पियो का पीछा कर लूट की घटना को अंजाम दिया है। घायल की पहचान एकमा थाना क्षेत्र के परसा गांव निवासी श्याम किशोर रस्तोगी के रूप में हुई है। गोली मारे जाने की खबर पर उनके परिचितों का जमावड़ा लगा गया। फिलहाल पुलिस निशानदेही पर अपराधियों को पकड़ने में जुटी है। घायल व्यवसाय के भाई ने बताया कि वो पैसे के कलेक्शन को लेकर एकमा बाजार गए थे। बाजार से लौटने के क्रम में पेट्रोल पंप के पास बाइक से पीछा कर अपराधियों ने गोली चल दी और पास में रखें पैसे का बैग लेकर फरार हो गए। इसके बाद आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने उनको इलाज के लिए एकमा के निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया है।

बिहार के 4 शहरों का एक्यूआई 200 के पार : सीवान के बाद हाजीपुर-मुजफ्फरपुर की हवा सबसे खराब

पटना, एजेंसी। बिहार में अभी पूरे तरीके से ठंड की शुरुआत नहीं हुई है। हालांकि, रात में हल्की ठंडक महसूस होने लगी है। मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि अगले तीन से चार दिनों तक राज्य में मौसम शुष्क रहेगा। दिन में उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान करेगी। वहीं, राज्य के कई जिलों की हवा ज्यादा प्रदूषित है। हवा में नमी बढ़ने के कारण धूल कण की मात्रा बढ़ गई है। इससे हवा की क्वालिटी खराब हो रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान सीवान का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) सबसे ज्यादा 234 दर्ज किया गया है। इसके अलावा हाजीपुर का 217, मुजफ्फरपुर का 206, अररिया का 205, पटना का 178, सहरसा का 158 दर्ज किया गया है। एक्सपर्ट के अनुसार, इस स्तर की हवा में सांस लेने से सेहत पर बुरा असर पड़ता है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह स्थिति खतरनाक हो सकती है। मौसम में अचानक हुए बदलाव के कारण लोगों को स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियां हो रही हैं। दिन में गर्मी, रात में ठंड के कारण वायरल फीवर, सर्दी और खांसी जैसे लक्षण हर घर में देखने को मिल रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि बिना किसी विशेषज्ञ की सलाह के दवाएं न लें। पिछले 24 घंटे के दौरान भोजपुर का अधिकतम तापमान सबसे ज्यादा 33.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है। वहीं, मोतिहारी का न्यूनतम तापमान सबसे कम 19 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है।

किशनगंज में पुलिस ने 259 लीटर शराब किया जब्त : हुंडई कार से की जा रही थी तस्करी

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज पुलिस अधीक्षक सागर कुमार के निर्देशन में शराब एवं अन्य मादक पदार्थों के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर वाहनों की जांच चेकिंग की जा रही है। इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार रात्रि को कोचाधामन क्षेत्र अंतर्गत धनपुरा पुलिस पिकेट प्रभारी के नेतृत्व में मस्तान चौक में वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में किशनगंज की ओर से एक सफेद रंग की हुंडई कार किशनगंज की ओर से काफी तेजी से आ रहीं थी, सशस्त्र बल के सहयोग से कार को रोकने को कहा गया। जहां तस्करो ने पुलिस को देखकर वाहन की गति तेज कर भागने का प्रयास किया। वाहन चालक गाड़ी रोकते ही अंधेरा का फायदा उठाकर वाहन छोड़कर भागने में सफल रहा। उक्त वाहन की विधिवत तलाशी ली गयी तलाशी के क्रम में गाड़ी में रखें कार्टून को खोलने पर उसमें से भारी मात्रा में विदेशी शराब व बीयर बरामद हुआ है। जिसकी कुल मात्रा 259.68 ली0 मापी गई है। इस संबंध में कोचाधामन थाना में कांड दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही हैं। जहां थाना अध्यक्ष राजा कुमार ने बताया कि छापेमारी दल में धनपुरा पिकेट प्रभारी राजू कुमार, जीतन लाल, प्रमोद कुमार, मुकेश कुमार, दीपक लाल सहित अन्य लोग शामिल थे।

बिहार में बेहतर होंगी सरकारी स्कूलें, 12वीं के बाद अब 8वीं से 11वीं तक की कक्षाओं में भी लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

पटना, एजेंसी। राज्य में स्कूली शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण सुधार में जुटी सरकार अब प्रत्येक विद्यालय में सीसीटीवी कैमरे लगाने जा रही है। उच्च माध्यमिक विद्यालयों की बारहवीं कक्षाओं में सीसीटीवी कैमरे का प्रयोग सफल होने के बाद शिक्षा विभाग ने तय किया है कि इस साल आठवीं, नौवीं, दसवीं और ग्यारहवीं वर्ग कक्षाओं में भी सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों की कक्षाओं में सीसीटीवी कैमरे लगाने का कार्य पूरा किया जाएगा।

शनिवार को शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ शिक्षा की बात-हर शनिवार लाइव कार्यक्रम में शिक्षकों के प्रश्नों से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने बताया कि सरकार 8वीं से 11वीं तक की कक्षाओं में भी सीसीटीवी कैमरे लगाने की तैयारी में है। चरणबद्ध तरीके से 81,223 विद्यालयों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का कार्य पूरा होगा।

राज्य में 81 हजार 223 सरकारी विद्यालय हैं। इनमें से 9 हजार 360 माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय हैं। 40 हजार 566 प्राथमिक विद्यालय हैं और मध्य विद्यालयों की संख्या 31 हजार 297 है। इन सभी विद्यालयों की वर्ग कक्षाओं में चरणबद्ध तरीके से सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। जैसा कि अपर मुख्य सचिव डा. एस. सिद्धार्थ ने जानकारी दी कि सीसीटीवी कैमरे लगाना खर्चीला है। इसलिए निचली कक्षाओं में धीरे-धीरे सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम पूरा किया जाएगा।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए मध्याह्न भोजन योजना से प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों को दूर रखने संबंधी एक शिक्षक के पूछे गए सवाल पर अपर मुख्य सचिव ने कहा कि अन्य राज्यों में मध्याह्न भोजन योजना में प्रधानाध्यापक की सहभागिता नहीं है, उनके कार्य तो विद्यालय व्यवस्था और शैक्षणिक सुधार आदि है।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत बिहार के दस जिलों की दो-दो पंचायतों में मध्याह्न भोजन योजना के संचालन से प्रधानाध्यापकों को दूर रखने का कार्य शुरू किया जा रहा है। ये जिले मधुबनी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गया, वैशाली, पूर्वी चंपारण, पूर्णिया, भागलपुर, लखीसराय और औरंगाबाद हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में मध्याह्न भोजन तैयार कराने एवं बच्चों के खिलाने में अधिकतर समय व्यर्थ जाता है। इसके कारण बच्चों एवं शिक्षकों का बहुमूल्य समय नष्ट होता है।

इसलिए बच्चों को पका-पकाया भोजन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए संबंधित जिलों में चयनित दो-दो पंचायत के लिए मध्याह्न भोजन व्यवस्थापक एवं सहायक व्यवस्थापक चयनित कर तैनात किए जाएंगे, जिसके ऊपर इस योजना के संचालन की पूर्ण जवाबदेही होगी। इसमें खाद्य सामग्री क्रय करना, भोजन बनवाना, बच्चों को भोजन खिलाना व रसोईघर की साफ-सफाई समेत अन्य कार्य शामिल हैं।

अपर मुख्य सचिव डा. एस. सिद्धार्थ ने बताया कि राज्य के प्रारंभिक विद्यालयों की कक्षा छठी, सातवीं और आठवीं में भी कंप्यूटर विज्ञान की शिक्षा लागू की जाएगी, ताकि इन कक्षाओं के बच्चों को कंप्यूटर शिक्षा का लाभ मिल सके। इसकी तैयारी की जा रही है और नए सत्र में लागू की जाएगी। यह ब्रिज कोर्स होगा। इसके बाद निचली कक्षाओं में बच्चों को

अभी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों की नौवीं से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर विज्ञान का पाठ्यक्रम लागू है। इसके लिए कंप्यूटर विज्ञान की किताब भी प्रकाशित कर विद्यालयों को उपलब्ध कराई गई है। सरकार की प्राथमिकता में है कि सरकारी विद्यालयों के बच्चे भी कंप्यूटर शिक्षा में पीछे नहीं रहें।

इंजन-बोगी के बीच दबकर रेलकर्मी की मौत, पिता की मौत के बाद अनुकंपा पर मिली थी नौकरी

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय के बरौनी जंक्शन पर ट्रेन के पार्सल वैन और इंजन के बीच दबकर रेलवे कर्मचारी की मौत हो गई। 35 साल के अमर कुमार राउत शंटिंग मैन के तौर पर रेलवे में काम करते थे। वे दलसिंहसराय के रहने वाले थे। भाई ने बताया कि अमर कुमार राउत के पिता राजकुमार राउत रेलवे में चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी थे। 6 साल पहले उसकी मौत हो गई थी। उन्हीं की जगह अमर को अनुकंपा पर नौकरी मिली थी। 11 दिसंबर को अमर की शादी होने वाली थी। शादी के कार्ड भी छप चुके थे। परिजन गांव में शादी की तैयारी कर रहे थे। इसी बीच मौत की खबर आ गई। भाई ने रेलवे के अधिकारियों और ट्रेन के लोको पायलट पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। इधर, हादसे के बाद मौके पर पहुंचे डीआरएम ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं।

इंजन और बोगी के बीच काम कर रहा था अमर : हादसा शनिवार की सुबह हुआ। बताया जा रहा कि 15204 लखनऊ-बरौनी एक्सप्रेस बरौनी जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर पांच पर आई थी। ट्रेन को शंटिंग में ले जाने के लिए इंजन बदला जाना था। इंजन को बदलने के लिए शंटिंग मैन अमर कुमार राउत इंजन और बोगी के बीच काम कर रहे थे। वो कपलिंग खोल रहे थे। इसके बाद शंटिंग इंजन लगाकर ट्रेन को वॉशिंग पिट पर ले जाया जाता। इंजन बैक करने के दौरान वह दब गए। मौके पर ही मौत हो गई। प्लेटफार्म पर मौजूद लोगों ने शोर किया तो ड्राइवर इंजन को आगे करने के बदले वहां से भाग गया। जिसके बाद लोगों में काफी आक्रोश है। फिलहाल शव को निकाल कर प्लेटफार्म पर रखा गया है।

रेलवे जांच के लिए बना रहा टीम : डीआरएम विवेक भूषण सूद ने बताया कि घटना की इन्क्वायरी के आदेश दिए हैं। जांच टीम बनाई जा रही है। परिवार को तत्काल सहायता देना चालू करवा रहे हैं। वर्किंग में कहां कमी रह गई है, उसको आईडेंटिफाई करेंगे। इसके लिए क्या एक्शन लेना है, किस पर कार्रवाई करनी है, उस दिशा में काम कर रहे हैं। हम लोग अपनी टीम के साथ मीटिंग कर रहे हैं। कर्मचारियों को काम करने में कहां परेशानी हो रही है, किस कारण से दुर्घटना हो रही है। उस बिंदु पर जांच-पड़ताल चल रही है। इस तरह की घटना नहीं होनी चाहिए। दोबारा ऐसी घटना नहीं हो, इस पर एक्शन लिया जाएगा।

लैपटॉप और स्मार्टफोन से लैस होंगे पुलिस अफसर, गृह विभाग से 190 करोड़ की मंजूरी

पटना, एजेंसी। बिहार में तीन नए आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद डिजिटल साक्ष्यों की महत्ता बढ़ गई है। पुलिस जांच के साथ ही ट्रायल के दौरान भी आडियो-वीडियो साक्ष्य जरूरी हो गए हैं। इन सारी जरूरतों को देखते हुए ही राज्य सरकार ने पुलिस कांडों की जांच करने वाले सभी पुलिस अफसरों को लैपटॉप और स्मार्टफोन दिया जाना है। गृह विभाग की ओर से इसके लिए 190 करोड़ 63 लाख 20 हजार की राशि खर्च करने की स्वीकृति दे दी गई है। विभागीय जानकारी के अनुसार, अनुसंधान पदाधिकारी को दिए जाने वाले लैपटॉप और स्मार्टफोन की खरीद पुलिस मुख्यालय के स्तर से नहीं होगी। सभी जांच अधिकारी अपने स्तर से लैपटॉप और स्मार्टफोन खरीदेंगे। उपकरणों के खरीद बिल के आधार पर प्रतिपूर्ति राशि उन्हें मुख्यालय स्तर से उपलब्ध कराई जाएगी। लैपटॉप के लिए करीब 60 हजार रुपये, जबकि मोबाइल के लिए करीब 20 हजार रुपये दिए जाएंगे। सभी अनुसंधान पदाधिकारियों को लैपटॉप और स्मार्टफोन स्थायी रूप से मिलेगा। यानी तबादले के बाद भी लैपटॉप और स्मार्टफोन उनके पास ही रहेगा। सरकार की ओर से यह तय किया गया है कि यह सुविधा सभी पदाधिकारियों को नहीं दी जाएगी। सरकार ने इसके लिए शर्त तय किया है। जानकारी के अनुसार लैपटॉप और स्मार्ट मोबाइल की सुविधा सिर्फ ऐसे अनुसंधान पदाधिकारी को ही दी जाएगी।

गिट्टी कारोबारियों के लिए आ गया नीतीश सरकार का नया फरमान, अब इस बात का देना होगा हिसाब

पटना, एजेंसी। बालू के बाद अब गिट्टी के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए खान एवं भू-तत्व विभाग पुरानी व्यवस्था में कई बदलाव कर रहा है।

खान एवं भू-तत्व विभाग ने निर्णय लिया है कि अन्य राज्यों से गिट्टी मंगाने के पूर्व कारोबारी को इसकी पूर्व सूचना जिले के खनिज विकास पदाधिकारी को देनी होगी। इसके बाद भी अन्य राज्य से गिट्टी आयात की जाएगी और इसी के आधार पर जिले में इसे गंतव्य तक पहुंचाने के लिए चालान जारी किया जाएगा।

अभी केवल गया और शेखपुरा से हो रहा गिट्टी का खनन

प्रदेश में निर्माण कार्यों में प्रयुक्त होने वाले लघु खनिजों में शामिल गिट्टी की करीब 90 प्रतिशत आपूर्ति

अन्य राज्य करते हैं। इसमें सर्वाधिक आपूर्ति झारखंड और पश्चिम बंगाल शामिल से होती है। जबकि राज्य में गिट्टी खनन केवल दो जिलों में ही हो रहा है। ये जिले हैं गया और शेखपुरा।

इन दोनों जिलों में खान एवं भूतत्व विभाग ने 104.5 एकड़ में खनन योजना की मंजूरी आठ अलग-अलग बंदोबस्तधारियों के बीच की है। विभाग के अनुसार इसमें से पांच की मंजूरी 2020 में पांच वर्षों के लिए दी गई थी। जिसकी मियाद 2025 में खत्म हो जाएगी। तीन की मंजूरी 2021 में दी गई जिसकी मियाद 2026 में समाप्त होगी।

जानकारी के अनुसार, 2017 के बाद गिट्टी खनन योजना को मंजूरी नहीं दी जा सकी है। कुल् आठ गिट्टी खनन फील्ड से राज्य सरकार को 2022-23 में 73.48 करोड़ और 2023-24 में 71.48 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त हुआ था।

अब सरकार ने इस राजस्व में वृद्धि के उपायों के साथ गिट्टी के अवैध खनन को नियंत्रित करने की दिशा में कवायद शुरू की है।

नई व्यवस्था में खनिज विकास पदाधिकारी की अनुमति के बाद अन्य राज्यों से आने वाले गिट्टी के बिहार पहुंचते ही उसी दिन स्थल निरीक्षण किया जाएगा। साथ ही जहां इसे भंडार किया जाएगा उसकी जियो टैगिंग फोटो कारोबारी को विभागीय पोर्टल पर अपलोड करनी होगी।

यह मात्रा कारोबारी की पहचान में शामिल हो जाएगी और इसी के आधार पर उसे उस गिट्टी को आगे तक पहुंचाने के लिए चालान जारी हो सकेगे। कारोबारी को भंडारण स्थल पर सीसीटीवी कैमरा और धर्मकांटा अनिवार्य रूप से लगाना होगा।

बिजली के खंभे से बाइक टकराई एक की मौत, एक घायल

बांका, एजेंसी। बांका के सहायक थाना नवादा बाजार क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक बिजली के खंभे से टकराने पर बाइक चालक की मौत हो गई। बाइक पर सवार दूसरा युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। भागलपुर से जागरण कार्यक्रम देखकर बाइक सवार दोनों युवक घर लौट रहा था।अचानक बाइक के सामने सियार जानवर आने से बाइक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। घटना शनिवार देर रात एक करीब 11:00 की है। रजौन प्रखंड के नवादा थाना क्षेत्र अंतर्गत अमहारा-हरचंडी गांव के समीप घटना हुई है। जानकारी के अनुसार अमहारा गांव निवासी विकास मंडल के 34 वर्षीय पुत्र नवीन मंडल अपने गांव के ही एक दोस्त जीतू के साथ बाइक से भागलपुर जिले के गंगटी जागरण कार्यक्रम देखने के लिए गया हुआ था। जागरण कार्यक्रम देखने के बाद शनिवार

की देर रात दोनों बाइक से अपने घर सहायक थाना नवादा बाजार क्षेत्र लौट रहा था।

इसी क्रम में नवादा थाना क्षेत्र के अमहारा-हरचंडी गांव के समीप अचानक बाइक के सामने एक सियार जानवर आ गया। इसके बाद बाइक अचानक अनियंत्रित हो कर उक्त जगह सामने बिजली पोल में जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें बाइक चालक और सवार दोनों गंभीर रूप से जख्मी होकर ग्रामीण सड़क के पास फेंका गया। जिसमें बाइक चालक नवीन मंडल की मौत हो गई।वही बाइक सवार जीतू का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

नवीन मंडल की मौत की सूचना के बाद घर में कोहराम मच गया।मृतक के माता-पिता एवं पत्नी सहित परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। सूचना के बाद नवादा थानाध्यक्ष पंकज किशोर पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचकर मृतक के परिजनों से फर्द बयान लिया। मृतक के पत्नी झुना देवी एवं माता-पिता सहित परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष पंकज किशोर ने बताया कि मृतक के शव के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।मृतक के परिजनों के फर्द बयान पर मामला दर्ज पुलिस द्वारा आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जमीन को लेकर दो पक्षों में मारपीट, मुजफ्फरपुर में पंचायती के बीच धारदार हथियार से किया हमला

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर राजेपुर थाना क्षेत्र इलाके के तरावा गांव में जमीनी विवाद को सुलझाने को लेकर पंचायती के दौरान दो पक्षों में लड़ाई हो गई। एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष परधारदार हथियार से हमला कर दिया। जिसमें दूसरे पक्ष के पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के लिए एसकेएमसीएच में भर्ती कराया गया है। हमला करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल अमलेश पाठक और पत्नी बबिता देवी हैं। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। आरोपी ने धारदार चाकू से दोनों पति पत्नी पर हमला कर दिया। जिसे आनन फानन में पीएचसी भर्ती कराया गया।

जमीन को लेकर विवाद में किया हमला

घायल के परिजन ने बताया कि शनिवार की देर शाम पट्टीदार से जमीन को लेकर पंचायती चल रही थी। जहां पट्टीदार दूसरे पक्ष से रमेश पाठक, अभिषेक पाठक,अभिनंदन पाठक,शोभा देवी और उर्मिला देवी के अलावा पंचायत के सरपंच और स्थानीय पैक्स अध्यक्ष मौजूद थे। पट्टीदारों को पंचायती रास नहीं आई। सभी आरोपी आक्रोश में आ गए। बोले लाओ बंदूक और हथियार फिर सभी चाकू और धारदार हथियार लेकर के हमला कर दिया। जिसमें हमारे परिवार के दो लोग घायल हो गए। घटना को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से भाग गए। मौके पर अफरातफरी की स्थिति बन गई। दोनों जख्मियों को

आनन फानन में इलाज हेतु पीएचसी लाया गया। जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भेजा गया है।

पूरे मामले को लेकर राजेपुर थानाध्यक्ष राधेश्याम कुमार ने बताया कि पंचायत के दौरान में घटना हुई है।दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं जिसको की इलाज हेतु एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। मामले की जांच किया जा रहा है पीड़ित परिवार की ओर से कई लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है। अभी सभी आरोपी फरार हो गए हैं प्राथमिकी दर्ज करने की कवायद किया जा रहा है।

मुजफ्फरपुर में जल्द बनेगा अर्बन हाट, खादी वस्तुओं के साथ ले सकेंगे बिहारी व्यंजन का स्वाद

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। खादी ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा मुजफ्फरपुर में अर्बन हाट बनाया जाएगा। इसके लिए पीएंडटी चौक स्थित खादी मॉल परिसर में जगह का चयन किया गया है। पर्यटन व उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा की पहल पर हाट खोलने की कवायद शुरू है, जिसकी रिपोर्ट मुख्यालय भेज दी गई है।

खादी हाट में खादी, ग्रामोद्योगी वस्तु के साथ बिहार के व्यंजनों का भी आनंद मिलेगा। यहां पर जो स्टाल बनेंगे उसका संचालन खादी व ग्रामोद्योगी वस्तु बनाने वाली संस्थाएं करेगी। उनको वहां पर जगह मिलेगी। अभी खादी माल का संचालन बिहार राज्य खादी बोर्ड कर रहा हैं। यहां पर खादी व ग्रामोद्योगी वस्तु उत्पादन करने वाली खादी संस्थाओं का उत्पाद खादी

मॉल में बिक रहा है। उत्पाद की कीमत सीधे खादी संस्थाओं के खाते में भेजी जाती है।जिला खादी पदाधिकारी रिजवान अहमद ने बताया कि अर्बन हाट में रेडिमेट कपड़े, मधुबनी पेंटिंग, सूजनी कला से तैयार वस्त्र, हस्तकला, शिल्पकला, काष्टकला की वस्तु भी मिलेगी।

इसके साथ ही खादी हाट में मोमबत्ती व अगरबत्ती, साबून, सरसो तेल, व्हाइट फिनाइल, पापड़ व बरी, सत्तू, बेसन, अचार , जूट, बांस के उत्पाद और लहठी के स्टाल होंगे। इसके साथ परिसर में बिहारी व्यंजन का विशेष स्टॉल होगा। जहां पर सपरिवार लोग बिहारी व्यंजन में खासकर तिरहुत के मशहूर व्यंजन का आनंद लेंगे।

खादी मॉल अब तक 6 दिन ही खुल रहा था, जिसकी वजह से लोग रविवार को यहां से वापस लौट रहे थे। लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अब खादी मॉल को रविवार को भी खोलने का फैसला किया गया है। जिला खादी पदाधिकारी ने बताया कि अब सातों दिन यहां पर सुबह 11 बजे से रात के नौ बजे तक मॉल खुला रहेगा।

परिसर में छोटे बच्चों के खेलने के लिए मिक्की माउस, टॉय कार, टॉय ट्रेन भी एक से दो दिन में यहां पर लग जाएंगी। इसके साथ अभी ठंड़ से बचाव के लिए ऊनी वस्त्र, टोपी, मफलर, शॉल की खास मांग है। लोगों को कश्मीरी पश्मीना शॉल और मफलर भी यहां आसानी से मिल जाएंगे।

सची हॉस्पिटल

NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)

पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल

9102779809, 9801344665

डॉ. एस. प्रसाद

श्री सोमेश्वर नाथ महोत्सव आयोजन को लेकर गप्पु राय ने जांच व कार्रवाई हेतु जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के अरेराज में विगत दिनों जिला प्रशासन द्वारा श्री सोमेश्वरनाथ महोत्सव का आयोजन के बजाय भाजपा महोत्सव का आयोजन कराये जाने पर जांच एवं कार्रवाई हेतु रविवार को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल को जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष ई. शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय के नेतृत्व में जिला कांग्रेस कमिटी के टीम विगत 4 एवं 5 नवम्बर को अरेराज में आयोजित श्री सोमेश्वरनाथ महोत्सव के बजाय भाजपा महोत्सव के आयोजन कराये जाने को लेकर जिलाधिकारी से मुलाकात कर जांच एवं कार्रवाई हेतु ज्ञापन सौंपा। ई. गप्पू राय ने जिला प्रशासन पर आरोप लगाया कि सोमेश्वर महोत्सव को प्रशासन सरकारी महोत्सव नहीं भाजपा महोत्सव बना दिया। बिहार का काशी कहे जाने वाला प्रसिद्ध सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को लेकर आयोजित श्री सोमेश्वरनाथ महोत्सव 2024 का आयोजन अरेराज स्थित सोमेश्वरनाथ उच्च विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित किया गया। छठ पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए पर्यटन विभाग द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत सोमवार संध्या जिला प्रशासन के सौजन्य से किया, लेकिन यह महोत्सव केवल भाजपा का महोत्सव बन कर रह गया। आगे श्री राय ने कहा कि कार्यक्रम के बने पंडाल में दिनभर भाजपा पार्टी के द्वारा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन कर विधानसभा की तैयारी किया गया। वहीं प्रशासन के मिलीभगत से उद्घाटन कार्यक्रम में भाजपा पार्टी के जनप्रतिनिधि द्वारा महोत्सव पर प्रकाश नहीं डाल कर अपने सरकार की उपलब्धि व अपना उपलब्धि का बखान कराया गया। इतना ही नहीं इस महोत्सव में केवल भाजपा के नेता को हि सम्बोधित करने का मौका मिला लेकिन जिला के दुसरे जनप्रतिनिधि को सम्बोधन करने का मौका नहीं मिला और ना ही दुसरे दल के विधायकों को आमंत्रण मिला। इससे स्पष्ट प्रतित होता हैं कि यह कार्यक्रम प्रशासन के मिली भगत से भाजपा का कार्यक्रम आयोजन किया गया था। अरेराज में 8 वर्षो से लगातार श्री सोमेश्वरनाथ महोत्सव अनंत चतुर्दशी मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए किया जाता था। इस वर्ष अनंत चतुर्दशी पर सोमेश्वरनाथ महोत्सव के लिए बिना टेंडर का ही पंडाल लग गया।कुछ माननीय सेटिंग नहीं के कारण इसका विरोध करने पर अनंत चतुर्दशी के अवसर पर महोत्सव को रद्द कर दिया गया। उसी कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन के सौजन्य से 4 व 5 नवम्बर छठ के मौके पर अरेराज सोमेश्वरनाथ उच्च विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित किया गया था। भक्तों के मनोरंजन के लिए पर्यटन विभाग द्वारा 34 लाख रुपया खर्च किया गया था। आगे श्री राय ने कहा कि अगर जिलाधिकारी के द्वारा संलिप्त अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं कि जाती हैं तो जिला स्तरीय विशाल धरना प्रदर्शन किया जायेगा। इस मौके पर एआईसीसी सदस्य शैलेन्द्र कुमार शुक्ल, कांग्रेस नेता मुमताज अहमद, जिला परिषद् शिक्षा समिति के अध्यक्ष पप्पू रंजन मिश्र उपस्थित रहें।

शिक्षा के क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य के लिए मो. सैदुल्लाह को किया गया सम्मानित

बीएनएम। मोतिहारी

ऑल बिहार उर्दू टीचर्स एसोसिएशन के तत्वधान में शिक्षा दिवस के पूर्व संध्या पर शहर के नगर भवन में रविवार को शैक्षिक सेमिनार सह पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। उक्त उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय नकदेई के प्रधानाध्यापक सह शिक्षक नेता मो. सैदुल्लाह अंसारी को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए मौलाना आजाद उत्कृष्ट शिक्षा सेवा सम्मान से माध्यमिक शिक्षक के डिप्टी डायरेक्टर अब्दुस सालम अंसारी तथा सदर एसडीएम स्वेता भारती के हाथों सम्मानित किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस सम्मान तक पहुंचने तथा विद्यालय में शैक्षणिक माहौल बनाने में प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकरी राम विजय यादव तथा विद्यालय के शिक्षकों का योगदान महत्त्व पूर्ण रहा। उनके इस सम्मान से शिक्षकों मे खुशी की लहर है। बताते चलें कि नकरदेई जैसे सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न माध्यमों से सीमित संसाधनों में शिक्षा का अलख जगा रहे हैं जिसकी सराहना चारो तरफ हो रही है।

श्रीप्रेम पुस्तकालय ने छात्र-छात्राओं को किया पुरस्कृत

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के सुगौली स्थित श्रीप्रेम पुस्तकालय द्वारा आयोजित तृतीय छात्र प्रतिभा प्रतियोगिता-2024 में चयनित सफल प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार का वितरण रविवार को सुगौली नंद उच्च विद्यालय में एक समारोह आयोजित कर किया गया। विगत 22 सितम्बर को पुस्तकालय द्वारा तृतीय छात्र प्रतिभा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें चार ग्रुप थे। ग्रुप ए में आश्वी गौरव, बाला, दित्य राज और अतुल राज ने प्रथम, द्वितीय और पुरस्कार प्राप्त किया। जबकि ग्रुप बी में अमन कुमार, प्रज्ञा कुमारी और कुमारी जय श्री ने प्रथम द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। ग्रुप सी में शिम्पी कुमारी, अनूप कुमार और आर्यन कुमार ने प्रथम द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। जबकि ग्रुप डी में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया कुसुम कुमारी, चुमन कुमार और अतुल कुमार को मिला। वहीं अन्य 18 प्रतिभागियों ने सांत्वना पुरस्कार दिया गया। इस पुरस्कार वितरण समारोह की अध्यक्षता पुस्तकालय के अध्यक्ष दीनबंधु मोदी ने की तथा संचालन सचिव डॉ. पवन कुमार ने किया। पुस्तकालय के संरक्षक हरिशंकर प्रसाद सर्राफ, कोषाध्यक्ष सागर खंडेलवाल, बिंदा साहनी (गौर,नेपाल), डॉ.सुनील कुमार, डॉ.संत साह, डी के आजाद, प्रदीप सर्राफ, प्रो.के पी भारती, उदय प्रकाश श्रीवास्तव, मधुरेन कुमार, प्रेमलता आदि ने पुरस्कार प्राप्त करने आए प्रतिभागियों को अपने प्रेरक वक्तव्य से प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में पुस्तकालय के उपाध्यक्ष त्रयंबकेश्वर कुमार, संयुक्त सचिव अंकुर चैधरी, नंदकिशोर पांडेय, अमेरिका साह, नुरुल हसन, नुरुलहोदा कुरैशी, रुस्तम आलम, प्रशांत प्रसाद, विनय कुमार सर्राफ, अमेरिका साह, मृत्युंजय कुमार, अनुराग कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सुगौली चीनी मिल में पेराई शुरू होते ही बैलो की घंटी व ट्रैक्टरो की शोर से गुंजयामान हुआ शहर

बीएनएम। मोतिहारी

जिले का एकमात्र गन्ना मिल सुगौली,एचपीसीएल बायोफ्यूल्स लिमिटेड इकाई में शनिवार की देर रात से गन्ना पेराई शुरू हो गया।जिसके बाद पूरा सुगौली क्षेत्र बैलो की घंटी और ट्रैक्टर की शोर से गूंजयामान होने लगा है।जबकि गन्ना की कटाई शुरू होने से किसानो और मजदूरो के चेहरे पर भी खुशी देखी जा रही है। फिहलाल चीनी मिल प्रबंधन के निर्देश पर किसान अगेती प्रजाति की खूंटी गन्ने आपूर्ति कर रहे है,ताकि समय पर खेत खाली होने के बाद किसान ससमय रब्बी फसल बुआई कर सके।उल्लेखनीय है,कि वर्ष 2011 से लगातार चल रही जिले की एकमात्र चीनी मील किसानों के लिए वरदान साबित हुई है जो हजारों किसान परिवारों, कृषि मजदूर एवं कर्मचारियों के लिए जीविका और आय का स्रोत बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के जीवन में आर्थिक सुधार के साथ-साथ राष्ट्रीय आय में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इस चीनी मील की पेराई मात्रा प्रत्येक वर्ष बढ़ती रही है।जिसका लक्ष्य इस वर्ष करीब 150 दिनों तक चल कर लगभग 50 लाख क्विंटल गन्ना पेराई का है।इकाई के महाप्रबंधक विजय कुमार दीक्षित ने बताया कि कारखाने का समय से मरम्मत कार्य पूरा कर पेराई सत्र शुरू किया गया है।पेराई सत्र की शुरूआत के लिए पिछले 4 नवम्बर को डीएम सौरभ जोरवाल ने डोंगा पूजन किया था।इकाई प्रबंधन किसानो और कर्मचारियों के बेहतर तालमेल से प्रतिवर्ष गन्ना फसल का रकबा और उत्पादन में बढोत्तरी कर रहा है। सही तौल और समय पर गन्ना मूल्य भुगतान होने से किसान गन्ना की खेती पूरे मनोयोग से कर रहे है। उन्होने कहा कि सरकार द्वारा चलाई गई सीएम गन्ना विकास योजना का शत-प्रतिशत अनुपालन इकाई द्धारा कराया जा रहा है। इसमें किसानों को गन्ना की वैज्ञानिक खेती करने का प्रशिक्षण समुचित कीट प्रबंधन उन्नत बीज पौधशाला से बीज खरीदने पर क्रेता और विक्रेता को अनुदान दिया जा रहा है। कुल मिला कर इस चीनी मील के चलने से बेरोजगार,किसान,व्यवसायी और मजदूर वर्ग सभी में हर्ष व्याप्त है।

बिहार के मुसलमानों की समस्या व समाधान पर कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार के मुसलमानों के मुद्दों और उनके समाधान पर एक अहम कार्यक्रम का आयोजन जिले के मेहसी में रविवार को हुआ। उक्त कार्यक्रम का विषय था "बिहार के मुसलमानों के मसाइल और उनके हल", जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रवेज सिद्दीकी, सभापति मदरसा आधुनिकरण, नई दिल्ली और सह राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्पसंख्यक आरक्षण मोर्चा, ने अपने विचार रखे। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने हिस्सा लिया और मुसलमानों के सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। मुख्य अतिथि प्रवेज सिद्दीकी ने अपने संबोधन में कहा कि हमें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि हम संविधान को पढ़ते और समझते हैं, तो हम अपने अधिकारों को सही तरीके से जान सकते हैं और उनका पालन कर सकते हैं। उन्होंने विशेष रूप से संविधान की महत्वपूर्णता को रेखांकित करते हुए यह कहा कि समाज के हर वर्ग को यह समझने की आवश्यकता है कि संविधान उन्हें कौन-कौन से अधिकार प्रदान करता है। प्रवेज सिद्दीकी ने आगे वक्फ बोर्ड के मुद्दे पर भी बात की और कहा कि मुसलमानों को अपने धार्मिक संस्थानों की सुरक्षा और हिफाजत के लिए एकजुट होना होगा। उन्होंने विशेष रूप से कब्रिस्तानों, मस्जिदों और मदरसों की सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया। "हमें कब्रिस्तान, मदरसा और मस्जिदों की हिफाजत करने के लिए जागरूक होना होगा, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी इन धार्मिक स्थलों का सही तरीके से इस्तेमाल कर सके," उन्होंने कहा। इसके साथ ही उन्होंने मुसलमानों से कब्रिस्तान की घेराबंदी करने की जरूरत पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर इक़बाल आलम ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एजाजुल हक और हाजी महबूब अली ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रवेज सिद्दीकी को सम्मानित करते हुए शॉल ओढ़ाया गया। इस अवसर पर कैफी वारशी, जिला सचिव जनता दल (यू) और अध्यक्ष अल्पसंख्यक आरक्षण मोर्चा, मेहसी ने आयोजकों का धन्यवाद किया और कार्यक्रम की सफलता की कामना की। कार्यक्रम में सैकड़ों लोग उपस्थित थे, जिनमें अली इमाम कुरैशी, एजाजुल हक कुरैशी, रेजा कुरैशी, हसनैन कुरैशी, इब्राहिम कुरैशी, इरफान कुरैशी, समसुद्दीन खान, कलामुद्दीन खान और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल थे। इन सभी ने प्रवेज सिद्दीकी की बातों को गंभीरता से लिया और इस कार्यक्रम को मुसलमानों की जागरूकता के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में और भी आयोजित किए जाएंगे ताकि मुसलमानों के मुद्दों पर व्यापक रूप से चर्चा की जा सके और उनके समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

डुमरिया घाट में पुलिस टीम पर हमला मामले में 12 गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के रमपुरवा गांव में पुलिस टीम पर हमला मामले में एसपी के निर्देश पर गठित विशेष जांच टीम ने वीडियो फुटेज के आधार पर चिन्हित करते हुए 12 हमलावरो को गिरफ्तार किया है। शनिवार को सब्जी लदी एक मैजिक गाड़ी से टक्कर के बाद रमपुरवा गांव के तीन लोग घायल हो गए, जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणो ने मैजिक चालक को पकड़कर उसकी पिटाई कर उसे बंधक बना लिया।जिसकी जानकारी मिलने के बाद मैजिक चालक को बचाने के लिए पुलिस टीम उक्त गांव पहुंची। पुलिस की टीम ने बंधक बनाये गये चालक को कब्जे में लेकर गाड़ी पर बैठा लिया। इस बीच कुछ शरारती तत्वो द्वारा हंगामा खड़ा कर दिया गया। हंगामा पर उतारू लोग पुलिस जवान पर हमला कर बंधक बनाये गये चालक को छुड़ाने के प्रयास में हिंसा पर उतारू हो गये। हालांकि स्थिति को भांप पुलिस वाहन के

चालक ने गाड़ी लेकर थाना के लिये निकल गया। इस बीच सब इंस्पेक्टर धमेन्द्र कुमार अकेला रह गये। जिन पर उग्र ग्रामीणों ने हमला कर दिया।हालांकि दारोगा ने हिम्मत नहीं हारी और ग्रामीण को ललकराते हुए हवाई फायरिंग कर किसी तरह अपनी जान बचाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने तत्काल डीएसपी चकिया के नेतृत्व एसआईटी का गठन कर उक्त गांव में भेजा गया।परिणामस्वरूप टीम ने स्थिति को समान्य करते हुए एसपी के आदेश के आलोक में हमलावरों को चिन्हित कर अब तक कुल 12 लोगो को गिरफ्तार किया है,जबकि अन्य के विरूद्ध छापेमारी जारी है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने दारोगा धर्मेन्द्र की बहादुरी की प्रशंसा करते हुए सम्मानित करने की घोषणा की है,साथ ही कहा है,कि पुलिस को मिले हथियार महज दिखाने के लिए नही बल्कि आम नागरिको की सुरक्षा के साथ आत्मरक्षा के लिए मिला है। ऐसे में पुलिस पर हमला करने वाले सचेत हो जाये।

दो पक्षो के विवाद में गोलीबारी, एक महिला हुई जख्मी

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के चिरैया थाना क्षेत्र के कटकुईया गांव में रविवार को दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई है। जहां कई राउंड फायरिंग भी होने की सूचना मिली है। जिसमे एक गोली तमाशबीन महिला के जांघ में लगी है। चिरैया पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से इलाज हेतु मोतिहारी के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया है। जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। जिससे आवश्यक पूछताछ की जा रही है। हिरासत में लिया गया युवक कटकुईया गांव निवासी दुर्गा राय का पुत्र प्रभात कुमार बताया गया है। घटना के बाद से गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। जिसे नियंत्रित करने के लिए पुलिस गांव में कैम्प कर रही है। हालांकि पुलिस को घटना स्थल से कोई खोखा बरामद नही हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही सिकरहना डीएसपी अशोक कुमार गांव में पहुंच कर मामले की जांच की है तथा थानाध्यक्ष को कई आवश्यक निर्देश दिया है। घटना की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष अरुण कुमार ने बताया कि सुबह के छठ घाट पर पटाखा फोड़ने को लेकर रामप्रवेश राय और दुर्गा राय के बच्चों के बीच विवाद हुआ था। जिसे प्रबुद्ध जनों ने

शांत करा दिया था। विवाद के तीसरे दिन रविवार को संजय यादव अपनी बाइक से ढाका जा रहे थे। इसी क्रम में रामप्रवेश राय ने उसे नहर पर घेर कर मारपीट कर दिया। इसके बाद दोनों घर आकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए। जिसमें कई राउंड फायरिंग सहित जमकर पत्थरबाजी हुई है। दोनों पक्ष एक दूसरे पर फायरिंग करने का आरोप लगा रहे है। सिकरहना डीएसपी अशोक कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा कि गोली किसके द्वारा चलाई गई है। उन्होंने कहा कि गोली चलाने वाले व हथियार की बरामदगी के लिए पुलिस अधिकारियों को लगाया गया है। समाचार भेजें जाने तक दोनों पक्षों की ओर से थाना में आवेदन पत्र नही दिया गया है।

साइकिल से सामाजिक चेतना जगाने के लिये यात्रा कर रहा है युवक

बीएनएम। वाल्मीकिनगर

सामाजिक चेतना जगाने के उद्देश्य से पश्चिम बंगाल का एक युवक साइकिल से यात्रा पर निकला हुआ है। जूनूनी युवक ने यह ठान लिया है कि जिस संदेश को लेकर वह निकला है उसे-उसे देश विदेश के कोने तक फैलाना है। युवक का नाम संजय विश्वास है और वह साइकिल पर सवार होकर भारत भ्रमण पर निकला हुआ है। इस सम्बन्ध मे संजय ने बताया कि वह बांग्लादेश एवं नेपाल की यात्रा तय कर चुका है। साईकिल को अपना हमसफर बनाकर बांग्लादेश के 55 जिलों सहित नेपाल का भ्रमण कर भारतीय सीमा में पहुंचा है। 25 वर्षीय युवक को सामाजिक संगठनों एवं एसएसबी जवानों ने बॉर्डर पर स्वागत किया। पश्चिम बंगाल के जिला उत्तर 24 परगना निवासी संजय विश्वास के हौंसले और इरादों को जानकर सीमा सुरक्षा में तैनात गंडक बराज के जवानों एवं अधिकारियों ने सीमा जागरण मंच के जिला अध्यक्ष तापोश टैगोर, बीजेपी कार्यकर्ता धीरज मिश्रा, के साथ फूल माला व अंग वस्त्र देकर सम्मानित करते हुए उसके हौसले व बुलंद इरादे की सराहना की। इंडो नेपाल बॉर्डर पर तैनात सहायक उप निरीक्षक मिठाई लाल ने कहा यह युवक वास्तव में पक्के इरादे और बुलंद हौसले वाला है। इसके पास

विदेश में जाने के लिए पासपोर्ट भी मौजूद है। पूरी तैयारी के साथ देश-विदेश के भ्रमण पर साइकिल का सवारी कर चलने वाले इस युवक के जज्बे को सलाम है। युवक बांग्लादेश का भ्रमण करते हुए नेपाल के रास्ते रविवार की सुबह गंडक बराज होते हुए वाल्मीकिनगर पहुंचा। जहां 25 वर्षीय युवक संजय विश्वास का स्वागत किया गया। युवक ने बताया की वह 30 अगस्त 2021 से यात्रा कर रहा है। अपनी यात्रा की बाबत संजय विश्वास ने बताया कि युवकों में विशेष रूप से आत्महत्या करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। जिन्दगी अनमोल है, इसे देश व समाज सेवा की सेवा में लगाएं । इसी स्लोगन के साथ मेरी यात्रा शुरू हुई है। उन्होंने बताया कि हमारा उद्देश्य युवाओं के अंदर आत्महत्या की प्रवृति के विरुद्ध जागरूकता फैलाना है। यह काम मेरे द्वारा स्कूलों कॉलेजों और सामाजिक संगठनों के बीच किया जाता है,तथा इसके परिणामों के बाबत जानकारी दी जाती है।

21 लीटर कच्चा स्प्रिट के साथ कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया। थाना क्षेत्र अंतर्गत शंकर सरैया उतरी पंचायत के परसौना गांव में पुलिस ने छापेमारी की है। जहां 21 लीटर कच्चा स्प्रिट के साथ परसौना का एक कारोबारी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। कारोबारी की पहचान शंकरसरैया परसौना के उपेंद्र यादव के रूप हुई है। थानाध्यक्ष सुरेश कुमार यादव ने बताया कि गुप्त सूचना मिली था कि शंकरसरैया परसौना में किसी व्यक्ति द्वारा पानी टंकी के पास शराब की विक्री की जा रही है। जहां दारोगा सुधीर कुमार व मंदन कुमार द्वारा पुलिस बल के साथ उक्त स्थल पर छापेमारी कि गई। जहां शराब कारोबारी पुलिस की गाड़ी देखते ही पीला रंग का थैला उठाकर अपने कंधे पर रखकर तेजी से दौड़कर भागने लगा। वहीं पुलिस ने खदेड़ कर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान बोरा में रखे 100 एमएल का 207 पीस देशी शराब पाउच बरामद किया। वही दारोगा सुधीर कुमार के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर शराब कारोबारी को जेल भेज दिया गया।

शराब पीकर हंगामा करने वाला युवक गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया। इलाके में थानाध्यक्ष के निर्देश पर इलाके में शराब तस्कर और शराब पीने वाले के विरुद्ध लगातार छापेमारी की जा रही है। इसी कड़ी में शराब पीने वाले नशेड़ी और शराब कारोबारी रोजाना पुलिस के चंगुल में फंसते जा रहे है। इसी कड़ी में थाना क्षेत्र अंतर्गत माधोपुर मधुमालत पंचायत के गोपाल चौक पर शराब पीकर हंगामा करने वाले युवक रंजीत कुमार को पुलिस ने पकड़कर जेल भेजा है। थानाध्यक्ष सुरेश कुमार यादव ने बताया कि गश्ती के दौरान सूचना मिली कि माधोपुर मधुमालत गांव का युवक गोपाल चौक पर हंगामा कर रहा है। सूचना पर जैसे पुलिस पहुंची तो वाहन को देखकर वह भागने लगा। जिसे खदेड़ कर पकड़ लिया गया। ब्रेथ एनलाइजर से सांस जांच करने पर शराब पीने की पुष्टि होने पर गिरफ्तार कर थाना लाया गया। पीएसआई मंदन कुमार के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर रंजीत को जेल भेज दिया गया।

मिनी शराब फैक्ट्री का पुलिस ने किया उद्भेदन, तीन हजार लीटर शराब बरामद

बीएनएम। सुगौली

थाना क्षेत्र में स्थानीय पुलिस ने रविवार को छापेमारी कर मिनी शराब फैक्ट्री का उद्भेदन किया है। जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र के मेहवा गांव के समीप सिकरहना नदी के तट पर शराब बनाने की सूचना पुलिस को मिली। स्थानीय थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने पुलिस बल का गठन कर त्वरित कार्यवाही करते हुए नदी किनारे झाड़ियों के बीच छुपा कर बनाये जा रहे मिनी शराब फैक्ट्री पर छापेमारी कर मामले का उद्भेदन किया और वहां बनाये जा रहे तीन हजार लीटर कच्ची शराब सहित शराब बनाने वाले उपकरणों को जब्त कर लिया है। पुलिस ने जब्त शराब और शराब निर्माण में सहायक उपकरणों को विनष्ट कर दिया। सूत्रों के मुताबिक थाना क्षेत्र के उत्तरी क्षेत्र से होकर निकलने वाली सिकरहना नदी के तटों पर भारी मात्रा में चुलाई शराब बनाने का उद्योग शराब कारोबारियों द्वारा चलाया जाता है। वहां से कैरियरों के द्वारा चुलाई शराब की आपूर्ति थाना क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों सहित अनेक स्थानों पर किया जाता है। मौके पर एडिशनल थानाध्यक्ष अभिनव राज,एस आई उमाशंकर राम के साथ पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

पुलिस ने दुष्कर्म के दो आरोपी को किया गिरफ्तार

बीएनएम। मझौलिया

थाना क्षेत्र के अलग-अलग पंचायतों से पुलिस ने नाबालिक से दुष्कर्म के प्राथमिक दो अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।उक्त जानकारी एसएचओ अखिलेश कुमार मिश्र ने दी।उन्होंने बताया कि रतनमाला से नकुल कुमार,जौकटिया से मोहन मांझी को गिरफ्तार किया गया है। दोनों नाबालिकों का मेडिकल जांच कराया गया है।उन्होंने बताया कि नाबालिक लड़की के मां के आवेदन पर एफआईआर दर्ज किया गया है। जिसमें आरोप लगाया है कि रतन माला गांव निवासी नकुल कुमार 22 वर्ष ने मेरे नाबालिक पुत्री को पकड़ कर सरेह में ले जाकर दुष्कर्म किया।इधर नाबालिक के पिता के आवेदन पर पांच लोगों को नामजद बनाया गया है।जिसमें आरोप लगाया गया है कि जौकटिया निवासी सुरज मांझी मेरे पुत्री को शुक्रवार की रात्रि में ले जाकर दुष्कर्म किया।जिसमें मोहन माझी,लालसा देवी,प्रेम मांझी एवं करण मांझी के द्वारा सहयोग किया गया है।अभियुक्तों के गिरफ्तारी के लिए पुलिस कार्रवाई शुरू कर दी है।

छोटे कारोबारियों एवं मध्यम वर्ग की आवाज बने, राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक लेख लिखा है, जो कई समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ है। महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक लाभ सभी वर्गों तक पहुंचे। जिस तरह से कॉरपोरेट जगत का एकाधिकार सभी क्षेत्रों में बढ़ता जा रहा है। उसके कारण स्थानीय रोजगार, छोटे-छोटे कारोबारियों तथा लघु उत्पादन के क्षेत्र में कार्यरत छोटी एवं मध्यम इकाइयों को वर्तमान समय में जिस चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। लेख में उन्होंने अपनी सोच प्रदर्शित की है। व्यापारिक क्षेत्र में बढ़ती असमानता की समस्या, छोटे व्यापारियों को मिल रही गंभीर चुनौतियों ने मध्यम वर्ग के अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। आर्थिक उदारीकरण के बाद से, बड़े कॉरपोरेट्स ने अपनी जड़ें भारत में गहरी कर ली हैं। जिसके कारण छोटे और मंझले व्यापारियों के लिए बाजार में टिके रहना मुश्किल होता जा रहा है। पिछले एक दशक में लाखों छोटे कारोबारियों ने अपना काम बंद कर दिया है। स्थानीय रोजगार बड़ी तेजी के साथ कम होता जा रहा है। पिछले दो दशक में गांव-गांव में ब्रांडेड पैक्ड फूड बिकने लगा है। अब पानी भी गांव-गांव में बिक रहा है। ऑनलाइन ब्रांडेड सामान अब गांव-गांव तक पहुंच रहा है। यह स्थिति छोटे व्यापारियों एवं स्थानीय उत्पादनकर्ताओं के हितों को बुरी तरह से प्रभावित कर रही है। उनके समक्ष प्रतिस्पर्धा में बने रहना मुश्किल हो गया है। दुग्ध उत्पादक, होटल व्यवसाय, छोटे-छोटे कारोबारी जो स्थानीय स्तर पर अपने उत्पाद तैयार करते थे, वह सब धीरे-धीरे बेरोजगार होते जा रहे हैं। बाजारबाद के चलते बड़े-बड़े कॉरपोरेट ने स्थानीय बाजारों में अपना कब्जा जमा लिया है। शहरों की बीमारियां अब गांव-गांव तक पहुंचने लगी हैं। कारोबार पर कॉर्पोरेट का एकाधिकार होता चला जा रहा है। इस बदलती हुई परिस्थितियों में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लेख के माध्यम से अर्थव्यवस्था और भारतीय जीवन शैली को अर्थव्यवस्था के आधार के साथ-साथ रोजगार और महंगाई इत्यादि से जोड़कर उन्होंने समग्र चिंतन रखा है। राहुल गांधी छोटे एवं मध्यम स्तर के कारोबारियों एवं उद्योगों के लिए एक समान अवसर की मांग कर रहे हैं। ताकि स्थानीय स्तर पर कमजोर और मध्यम वर्ग अपनी योग्यता और परिश्रम के बल पर आगे बढ़ सकें। वर्तमान में बड़े व्यवसायिक घराने और कॉरपोरेट्स को विशेष सुविधाएं, कर रियायतें और अन्य लाभ सरकार द्वारा दिए जा रहे हैं। इसके विपरीत, छोटे एवं मध्यम वर्ग के कारोबारियों को प्रशासनिक कठिनाइयों और कानून की जटिलताओं का सामना करना पड़ रहा है। उनके पास सीमित संसाधन होते हैं। यह असमानता उनके विकास और आर्थिक आधार के अवसरों को सीमित कर रही है। इसके अलावा, डिजिटल व्यापार और ई-कॉमर्स के बढ़ते प्रभाव ने भी छोटे व्यापारियों की कठिनाइयों को बढ़ा दिया है। बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ग्राहकों को अत्याधिक रियायतें और सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। रियायत देकर वह पहिले सस्ते में सामान बेचते हैं। करोड़ों रुपए का घाटा उठाते हैं, जब मार्केट में एकाधिकार हो जाता है। उसके बाद कीमतें बढ़ाकर आम आदमी का शोषण करते हैं। बड़े कारपोरेट की इस चुनौती का सामना परंपरागत कारोबारियों को नुकसान के रूप में हो रहा है। ऑनलाइन खरीदारी का चलन बढ़ने से छोटे व्यापारी पारंपरिक व्यापार एवं ग्राहकों से दूर होते चले जा रहे हैं। उन्हें अपना व्यापार बंद करना पड़ रहा है। राहुल गांधी ने अपने लेख में सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित कराया है। उन्होंने लिखा है, सरकार को चाहिए वह इस समस्या का समाधान खोजे। छोटे व्यापारियों को भी समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए नीतिगत बदलाव करे। सरकार बड़े कॉरपोरेट्स के लिए अनुकूल नीतियाँ उनकी मांग और उनके मुनाफे के आधार पर बनाती है।

अपराधियों का महिमामंडन एक चिंताजनक प्रवृत्ति

मनोरंजन और समाचार मीडिया में अपराधियों का महिमामंडन एक चिंताजनक प्रवृत्ति बन गई है, खासकर अपराध में शामिल व्यक्तियों को नायक के रूप में चित्रित करने में। यह ग्लैमराइज़्ड प्रतिनिधित्व न केवल न्याय और सत्य को बढ़ावा देने के लिए इन प्लेटफ़ॉर्म के नैतिक कर्तव्य को कमज़ोर करता है, बल्कि प्रभावित दर्शकों, विशेष रूप से युवाओं को अपराध को आकर्षक या वांछनीय मानने के लिए गुमराह करता है। इस तरह के चित्रण से मीडिया की सामाजिक ज़िम्मेदारियों का पुनर्मूल्यांकन करने की ज़रूरत पड़ती है। अपराधियों को सनसनीखेज बनाकर, मीडिया की कहानियाँ आपराधिक न्याय प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं, कानून तोड़ने वालों को जवाबदेह ठहराने के बजाय उन्हें सहानुभूतिपूर्ण या वीरतापूर्ण प्रकाश में पेश कर सकती हैं। जब समाचार आउटलेट किसी अपराधी की पृष्ठभूमि या उद्देश्यों को अत्यधिक कवर करते हैं, तो वे अनजाने में सहानुभूति पैदा कर सकते हैं, जिससे उनके कार्यों की गंभीरता कम हो जाती है। मीडिया चित्रण अक्सर अपराधियों को ग़लत समझे जाने वाले या विद्रोही व्यक्तियों के रूप में रोमांटिक बनाता है, जिससे एक विषम सार्वजनिक धारणा बनती है जो उनके कार्यों की सच्चाई को कमज़ोर करती है। अपराधियों का महिमामंडन समाज के नैतिक संतुलन को बिगाड़ता है, वास्तविक उपलब्धियों की बजाय अवैध साधनों के माध्यम से भौतिक सफलता को बढ़ावा देता है। मिर्जापुर जैसे शो एक ऐसी कहानी बनाते हैं जिसमें आपराधिक कृत्य धन और सम्मान की ओर ले जाते हैं, जो संभावित रूप से दर्शकों के मूल्य प्रणालियों को प्रभावित करते हैं। अपराधियों का महिमामंडन पीड़ितों के परिवारों के लिए बहुत ही दुखद हो सकता है, क्योंकि यह उनके द्वारा किए गए दुख को खारिज करता है और न्याय और जवाबदेही की आवश्यकता को नकारता है। पुष्पा और गब्बर जैसे चरित्र जो कानूनी सीमाओं के बाहर अपराध से लड़ते हैं, वे सतर्कतावाद को रोमांटिक बना सकते हैं, जिससे न्याय की एक दोषपूर्ण समझ पैदा होती है। युवा दर्शक अपराधियों को अपना आदर्श मानने लग सकते हैं, उन्हें साहसी व्यक्ति के रूप में देख सकते हैं जो व्यवस्था को चुनौती देते हैं, इस प्रकार सही और ग़लत की उनकी समझ को विकृत कर सकते हैं। लॉरेंस बिश्नोई जैसे व्यक्तियों को समर्पित सोशल मीडिया फैन पेज आपराधिक कृत्यों का महिमामंडन करते हैं, जिससे वे सराहनीय लगते हैं। फ़िल्मों और श्रृंखलाओं के माध्यम से आपराधिक महिमामंडन के लगातार संपर्क में आने से युवा हिंसा के प्रति असंवेदनशील हो सकते हैं, सहानुभूति कम हो सकती है और आक्रामकता सामान्य हो सकती है। मीडिया में महिमामंडन युवाओं को अपराधियों के व्यवहार या जीवनशैली की नक़ल करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है, जिससे उनकी शिक्षा और करियर के विकल्प प्रभावित हो सकते हैं।

शांति और विकास के लिए विज्ञान के साथ अध्यात्म जुड़े

ललित गर्ग

शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस हर साल 10 नवंबर को मनाया जाता है। विश्व विज्ञान दिवस का प्रस्ताव पहली बार 1999 में हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित विश्व विज्ञान सम्मेलन के दौरान रखा गया था। यूनेस्को और अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में इस बात पर चर्चा की गई कि विज्ञान समाज पर किस प्रकार प्रभाव डालता है और समाज के लिये अधिक उपयोगी हो सकता है। इसी उद्देश्य से विज्ञान की अहमियत को सामने लाना और विज्ञान से जुड़े मुद्दों पर आम लोगों की बहस को बढ़ावा देकर इस दिन के जरिए, विज्ञान को समाज एवं व्यक्ति से और ज्यादा करीबी से जोड़ा गया है। यह दिन हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व और उसकी प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए युग की समस्याओं एवं चुनौतियों का समाधान करता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि कैसे विज्ञान जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों और प्राकृतिक आपदाओं जैसी वैश्विक समस्याओं को हल करने में मदद करता है। यह युवाओं को विज्ञान का पता लगाने और दुनिया कैसे काम करती है, इस बारे में जिज्ञासा विकसित करने के लिए भी प्रोत्साहित करता है। जागरूकता बढ़ाकर, विश्व विज्ञान दिवस लोगों को समाज पर वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार के सकारात्मक प्रभाव की सराहना करने के लिए एक साथ लाता है। लेकिन अब इस दिवस के साथ अध्यात्म को भी जोड़ा जाना चाहिए। तेजी से बदलती दुनिया में कई महत्वपूर्ण कारणों से हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान महत्वपूर्ण है और समाज पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ता है। विज्ञान दिवस उन वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की कड़ी मेहनत को मान्यता देता है जिन्होंने ज्ञान और प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने में मदद की है। यह दिन वैज्ञानिकों, शिक्षकों और जनता के बीच टीमवर्क को बढ़ावा देता है ताकि वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए विश्वास और समर्थन का निर्माण किया जा सके। विज्ञान दिवस मनाकर, हमारा उद्देश्य सभी में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और प्रेम-संबंध को प्रेरित करना है, जिससे एक अधिक आदर्श, संतुलित एवं शांतिपूर्ण समाज का निर्माण हो सके। वैज्ञानिक खोजें दुनिया भर में शांति और विकास में सहयोग करते हुए लोगों को नई वैज्ञानिक प्रगति के बारे में बताती है। गरीबी, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य चुनौतियों जैसी वैश्विक समस्याओं को हल करने के लिए विज्ञान के ज़िम्मेदाराना उपयोग को प्रोत्साहित भी करती है। वैज्ञानिक इस उल्लेखनीय नाजुक ग्रह एवं सृष्टि के बारे में हमारी समझ को व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिसे हम अपना घर कहते हैं और हमारे समाजों को अधिक टिकाऊ बनाने में भूमिका निभाते हैं। शांतिपूर्ण और स्थायी समाज के लिए विज्ञान की भूमिका पर जन जागरूकता को मजबूत करते हुए यह दिवस विभिन्न देशों के बीच साझा विज्ञान के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देता है। समाज के लाभ के लिए विज्ञान के उपयोग के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करना तथा विज्ञान के सामने आने वाली चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित करना और वैज्ञानिक प्रयास के लिए समर्थन जुटाना भी इस दिन का ध्येय है।. आज जबकि जलवायु परिवर्तन अरबों लोगों और ग्रह के जीवन के लिए एक गंभीर खतरा बनता जा रहा है, इसके लिये जलवायु परिवर्तन को सकारात्मक मोड़ देने के लिए विश्व समुदायों का निर्माण करने की अपेक्षा है। यह दिवस हमारे दैनिक जीवन पर विज्ञान के प्रभाव का प्रतीक है। यह हमें वैज्ञानिक प्रगति को आकर्षित करने और हमारे ग्रह के संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र की अधिक गहन समझ को प्रोत्साहित करने का आग्रह करता है। विज्ञान के ज़रिए वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मदद करना और विज्ञान और प्रौद्योगिकी में करियर बनाने के लिए युवाओं को प्रेरित करना भी इस दिवस का मकसद रहा है। यूनेस्को द्वारा 2001 में इसकी घोषणा के बाद से, शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस ने दुनिया भर में विज्ञान के लिए कई ठोस परियोजनाएं, कार्यक्रम और वित्तपोषण उत्पन्न किया है। इस दिवस ने संघर्ष से प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले वैज्ञानिकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में भी मदद की है, इसका एक उदाहरण यूनेस्को द्वारा समर्थित इजरायल-फिलिस्तीनी विज्ञान संगठन का निर्माण है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2024-2033 की अवधि को सतत विकास के लिए विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय दशक के रूप में घोषित किया है। यह एक स्थायी भविष्य के लिए वैज्ञानिक ज्ञान का दोहन करने के वैश्विक प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। यूनेस्को के नेतृत्व में, इस दशक का उद्देश्य बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान, सामाजिक और मानव विज्ञान, साथ ही अंतःविषय और उभरते क्षेत्रों सहित वैज्ञानिक विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को संगठित करना है, ताकि समाज, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण में परिवर्तनकारी बदलाव में योगदान दिया जा सके। वैज्ञानिक साक्षरता को बढ़ावा देने और सरकारों, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करके, दशक सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने और सभी के लिए सुरक्षित, अधिक समृद्ध, शांतिपूर्ण भविष्य की दिशा में काम करने में विज्ञान की भूमिका को बढ़ाने का प्रयास करता है। निश्चित ही विज्ञान ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार किया है, रोजगार के अवसर बढ़ाए हैं, असंख्य लोगों की जान बचाई है, कई उद्योगों में अहम भूमिका निभाई है, ऊर्जा और पानी तक पहुंचने में मदद की है, बीमारियों को ठीक करने में मदद की है, चिकित्सा-क्रांति का माध्यम बनकर कर असाध्य बीमारियों को नियंत्रित किया है। विकास, विज्ञान एवं उपलब्धियों पर सवार आज की दुनिया का एक बहुत बड़ा वर्ग आज भी गरीबी, अभाव, भूखमरी में घुटा-घुटा जीवन जीता है, जो परिस्थितियों के साथ संघर्ष नहीं, समझौता करवाता है। हर वक्त अपने आपको असुरक्षित-सा महसूस करता है। जिसमें आत्मविश्वास का अभाव अंधेरे में जीना सिखा देता है। विश्व की करीब दो अरब तीस करोड़ आबादी को भूखमरी एवं भूख का सामना करना पड़ रहा है। दो वक्त की भोजन सामग्री जुटाने के लिए इस आबादी को जिन मुश्किलों, संकटों एवं त्रासद स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी जटिल स्थितियों में विज्ञान दिवस ने सभी को भोजन देने में मदद की है, शांति एवं सह-जीवन के निर्माण में मदद की है। विज्ञान दिवस को अधिक उपयोगी एवं प्रासंगिक बनाने की अपेक्षा है। अब तक विज्ञान अध्यात्म से अछूता रहा है, जिसके कारण विज्ञान के वास्तविक परिणाम सामने नहीं आ पाये हैं। जरूरत है अध्यात्म एवं विज्ञान के समन्वित प्रयत्नों की, आध्यात्मिक-वैज्ञानिक व्यक्तित्वों के निर्माण की। नये सत्यों को खोजने की। न्यूटन से कहा गया- 'आपने बहुत से नियम खोजे हैं।' उन्होंने बहुत मार्मिक उत्तर दिया- 'तुम लोग कुछ भी कहो। लेकिन मेरी स्थिति तो समुद्र के तट पर खड़े उस बालक जैसी है, जो समुद्र के किनारे पड़ी सीपियों को बटोर रहा है। किन्तु विशाल समुद्र के गर्भ में छिपे रत्न उससे बहुत दूर हैं। विज्ञान की स्थिति भी अध्यात्म के बिना लगभग ऐसी ही है। विज्ञान एवं वैज्ञानिक व्यक्तित्व तभी अधिक प्रासंगिक हो सकेंगे जब चेतना की खोज, मानव की खोज होगी। आज इसकी सर्वाधिक अपेक्षा है। मानव की खोज बहुत कम हुई है। वैज्ञानिकों ने जितने परीक्षण किये हैं, चूहों पर, मेढकों और बन्दरों पर किए हैं। सारे प्रयोग पशुओं पर हुए हैं। मनुष्य को उसने अपनी प्रयोग भूमि नहीं बनाया। मनुष्य को समझने का सबसे कम प्रयत्न हुआ है। अब आवश्यकता है कि मानव का भलीभांति अध्ययन हो। मानवीय मस्तिष्क का अध्ययन उसमें प्रमुख बने। हमारी सारी शिक्षा, सभ्यता, संस्कृति, तकनीकी विकास, सारे जीवन-मूल्य-इनका अधिष्ठाता प्रतिष्ठाता तो मनुष्य का मस्तिष्क है, नाड़ीतंत्र है, ग्रंथितंत्र है। इन सबका अध्ययन तो नहीं किया जा रहा है, समझने का प्रयत्न नहीं किया जा रहा है, सारी रिसर्च पदार्थ पर हो रही है। यह मूल में भूल है। फिर समस्या का समाधान कैसे होगा? आवश्यक है मानव और मानवीय चेतना का अध्ययन। जिस दिन यह हमारी वृत्ति बनेगी उस दिन अध्यात्म और विज्ञान, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक व्यक्तित्व की युति बनेगी, दोनों का योग बनेगा, दोनों एक बनेंगे, तभी विश्व विज्ञान दिवस मनाना सार्थक होगा। आध्यात्मिक गुफा में मौन बैठा रहेगा और वैज्ञानिक अणुबम बनाता रहेगा तो उस अणुबम की अणुधूलि उस गुफा तक भी पहुंचेगी। इसलिए आज की अपेक्षा है कि हर विद्यार्थी वैज्ञानिक बने किन्तु कोरा वैज्ञानिक न बने, आध्यात्मिक वैज्ञानिक बने। आज हर धर्म संस्थान में जाने वाले व्यक्ति के लिए यह आवश्यक है कि वह केवल आध्यात्मिक न बने, उसका दृष्टिकोण वैज्ञानिक बने। इन दोनों का योग ही वर्तमान की सारी समस्याओं-जलवायु परिवर्तन, युद्ध, हिंसा, आतंक, गरीबी, महामारियों का समाधान है और यही विज्ञान दिवस का पहला प्रयत्न या पहला प्रस्थान अधिक उपयुक्त हो सकता है।

कांग्रेस का अनुच्छेद 370 की बहाली को समर्थन क्या दर्शाता है

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

'डीप स्टेट' झूठे आख्यान फैलाकर केंद्र सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रहा है, जिनमें से एक यह है कि संविधान खतरे में है। राहुल गांधी और इंडी गठबंधन विशेष रूप से चुनावी मौसम में इस तरह की झूठी धारणाओं का प्रसार कर रहे हैं। राहुल गांधी लगातार देश भर में घूम-घूम कर चेतावनी दे रहे हैं कि संविधान खतरे में है, मानो वे संविधान के सच्चे रक्षक हैं। आपातकाल घोषित करने से लेकर नियमित आधार पर संविधान में बदलाव करने और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान के खिलाफ कानून बनाने तक, लोगों ने काँग्रेस की वास्तविक स्थिति को पहचान लिया है। कांग्रेस की लंबे समय तक सत्ता में कई चीजें घटित हुईं। कौन संविधान व आरक्षण को बचाना चाहता है और कौन इसे नष्ट करना चाहता है? यदि जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने अनुच्छेद 370 को बहाल करने का अनुरोध करते हुए 6 नवंबर, 2024 को प्रस्ताव पारित किया और कांग्रेस ने कार्यवाही का समर्थन किया तो हमें समझ जाना चाहिए कि संविधान का विरोध कौन कर रहा है।

अनुच्छेद 370 किस तरह संविधान विरोधी और आरक्षण विरोधी था- अनुच्छेद 370 के कारण जम्मू-कश्मीर में लोगों, खासतौर पर अनुसूचित जातियों और जनजातियों तथा महिलाओं के साथ बुरा व्यवहार हुआ और संविधान द्वारा गारंटीकृत आरक्षण और लाभों के अधिकार को खत्म कर दिया गया। सफाई कर्मचारियों के समूह को 'वाटल' जैसे अपमानजनक लेबल दिए गए, जिसका मतलब निम्न श्रेणी के कर्मचारी थे। साफ शब्दों में कहें तो राष्ट्रपति ने कांग्रेस शासित नेहरू प्रशासन के अनुरोध पर 1954 में जम्मू-कश्मीर के लिए डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान को पूरी तरह से कमजोर कर दिया। भारतीय संविधान को कमजोर करके काँग्रेस ने अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तानी दखलंदाजी को अनुमति दी। संविधान के कमजोर होने से एससी, एसटी, ओबीसी और महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित हुईं। अनुच्छेद 370 ने जम्मू-कश्मीर में अलगाव और आतंकवाद को बढ़ावा दिया, जिससे 42,000 लोग मारे गए।

अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद से क्या बदला है- सबसे जरूरी बात यह है कि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान को जम्मू-कश्मीर में पूरी तरह लागू किया गया; सभी को अन्य राज्यों के भारतीयों के समान अधिकार मिले और वंचित जातियों को सम्मान दिया गया। आरक्षण का अधिकार, वोट का अधिकार और बोलने का अधिकार समेत कई अधिकार दिए गए हैं। मोदी सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से राज्य में 1993 के स्वीपर एक्ट सहित संविधान की सभी धाराएं लागू हो गईं। पिछले चार वर्षों में पहली बार जम्मू-कश्मीर में ओबीसी अल्पसंख्यक को मान्यता दी गई है। यह बहिष्कृत अल्पसंख्यकों के लिए एक महत्वपूर्ण जीत है, क्योंकि उन्होंने अपने संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग करना शुरू कर दिया है। 370 के निरस्त होने से अब जम्मू-कश्मीर के समुदायों को देश के बाकी हिस्सों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के समान प्रावधानों के अधिकार प्राप्त है। वन अधिकार अधिनियम, अत्याचार निवारण अधिनियम और वाल्मीकि समुदाय के जम्मू-कश्मीर में निवास के दावे को अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद लागू किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर के स्थानीय निकायों में ओबीसी आरक्षण के लिए विधेयक को मंजूरी दे दी है। जम्मू-कश्मीर के इतिहास में पहली बार अनुसूचित जनजातियों के लिए 9 सीटें निर्धारित की गई हैं, साथ ही अनुसूचित जातियों के लिए अतिरिक्त सीटें आरक्षित की गई हैं। वंचित आबादी पर अच्छे प्रभाव के अलावा इस क्षेत्र में लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति देखना उत्साहजनक है। पहले, अगर जम्मू और कश्मीर में कोई महिला किसी दूसरे राज्य के पुरुष से शादी करती थी तो उसे राज्य में संपत्ति खरीदने से रोक दिया जाता था, जिससे महिलाओं के अधिकार और अपना जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्रता सीमित हो जाती थी। अलगाववादी नेताओं के बच्चे आराम से रह रहे थे, वहीं अन्य लोगों को दहशतवाद के गंभीर प्रभावों का सामना करना पड़ा। अनुच्छेद 370 के निरस्त होने से इन 'अन्य' को सुरक्षा मिली है। 2016 से 2019 के बीच राज्य में पथराव की 5050 घटनाएं दर्ज की गईं अगस्त 2016 से अगस्त 2019 के बीच विरोध प्रदर्शनों और पत्थरबाजी की घटनाओं में 124 निर्दोष लोग मारे गए; निरस्तीकरण के बाद से चार वर्षों में ऐसी कोई मौत नहीं हुई है। इसके अलावा, अनुच्छेद 370 के बाद के दौर में, कानून और व्यवस्था की परिस्थितियों में नागरिकों की मौतों की संख्या आश्चर्यजनक रूप से शून्य हो गई। इसका मतलब यह है कि कोई भी उस शांति की प्रबल अनुभूति से इनकार नहीं कर सकता जो इस जगह पर व्याप्त है। इसलिए हम सभी को खुद से पूछना चाहिए कि क्या कांग्रेस और उसके सहयोगी संविधान के रक्षक हैं या हत्यारे। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हुए घटनाक्रम से सभी भारतीयों की आंखें खुल जानी चाहिए। हमें उम्मीद है कि आप हर चुनाव में मतदान करते समय इस बात को ध्यान में रखेंगे।

मेष राशिः आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आपके पारिवारिक जीवन में सौहार्द्र की वृद्धि होगी। आज कोई बड़ी जिम्मेदारी का निर्वाहन करना पड़ सकता है। आज धन लाभ के मौके हाथ लगेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। आज संतान से आपको सुखद अनुभूति होगी। इंजीनियरिंग के छात्रों को आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे। आज कोई महत्वपूर्ण प्रैक्टिकल को पूरा करने में छात्र व्यस्त रहेंगे।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। सेहत के लिहाज से आप खुद को तंदरुस्त महसूस करेंगे। आज किसी के साथ बेवजह की बहसबाजी में ना पड़ें। इससे आपके कामों में भी देरी होगी। आज छात्रों को अपनी पढ़ाई के प्रति और अधिक ध्यान देने की जरूरत है। आज किसी भी को शांति से सुलझाने की कोशिश करें।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ो की राय लेना आपके लिए कारगर साबित होगा। बड़े बुजुर्गों के पैर छुए, धन-धान्य में बढ़ोतरी होगी। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के जो लोग नया बिजनेस करना चाहते हैं उनके लिए आज मार्केट एनालिसिस करना बेहतर होगा।

कर्क राशिः आज अकारण शुरू हुई समस्याएं समाप्त हो जायेंगी। आज आपको ननिहाल पक्ष से कोई शुभ समाचार मिलेगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप विदेश में व्यापार करने की योजना बनायेंगे। आपकी सोशल मीडिया पर किसी से बात हो सकती है, जिससे आपको भविष्य में बहुत फायदा होगा। व्यायाम करने से स्वास्थ्य संबंधित परेशानी खत्म होंगी। आप अपने आप को काफी तरोताजा महसूस करेंगे, जिससे आप अपने काम को समय पर पूरा करने में सफल होंगे।

सिंह राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। काफी दिनों बाद आज परिवार के साथ समय बिताएंगे। आज उनके प्रति लागाव बढेगा। आज रुके कार्यों में प्रगति होगी। आपके गृहस्थ जीवन में सुख शांति का माहौल बना रहेगा। डिप्लोमा कर रहे छात्रों को अपने सीनियर्स से महत्वपूर्ण जानकारियां मिलेंगी। ऑनलाइन फ्रॉड से बचने के लिए आप किसी अच्छी कंसलटेंट टीम से बातचीत करेंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आपके कार्य समय रहते पूरे होंगे। आज आपके दांपत्य जीवन में आपसी तालमेल बढेगा। आज किसी कार्य में घरवाले आपकी तारीफ करेंगे। छात्रों की पढाई में रूचि बढ़ेगी। आपकी नौकरी में कुछ सकारात्मक परिवर्तन आयेंगे। किसी से लिया ऋण आज वापस करेंगे। आज आपकी परेशानियां कम होंगी आपका मन हल्का होगा।

तुला राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं, जो आपकी आर्थिक स्थिति और घर की व्यवस्था ठीक रखने में सहायक हो सकते हैं। मिलजुल कर किये गए कार्यों में आपको बहुत हद तक सफलता मिलेगी।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन पहले से ज्यादा फायदा दिलाने वाला रहेगा। किसी रिश्तेदार से चल रही अन-बन आज खत्म हो जायेंगी। आपको अधिक खाने-पीने से बचना चाहिए और सेहत का ध्यान रखना चाहिए। करोबार में बरकत होगी। आपकी आय के साधनों में वृद्धि होगी। सोची हुई योजनाओं में आज सफलता मिलने के संकेत है।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी विपरीत परिस्थिति में अपने धैर्य को बनायेंगे रखेंगे। आज अपनी पुरानी गलतियों को भूलकर आगे बढ़ेगे, जल्दी ही आप अपनी सफलता का मार्ग खोज लेंगे। बच्चों की किसी विशेष समस्या का हल मिलने से राहत मिलेगी। आपका मानसिक सुकून बना रहेगा।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। पिता का आशिर्वाद आप पर बना रहेगा। अपनी उर्जा से आप बहुत कुछ हासिल करेंगे बस अपनी काबिलियत पर भरोसा करें। आज आप दिन की शुरुआत में ही अपनी दिनचर्या की प्लानिंग कर लेगे, इससे सभी गतिविधियां बेहतर तरीके से पूरी हो जाएंगी।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज ऑफिस के किसी काम के कारण आपकी अचानक यात्रा हो सकती है। आज आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। इस राशि के जो लोग बेकरी के बिजनेस से जुड़े हैं उनको आज उम्मीद से ज्यादा लाभ होगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज कामकाज को पूरी गंभीरता से करेंगे। घर के वरिष्ठ लोगों का सहयोग भी बना रहेगा। इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं से संबंधित व्यवसाय में अच्छा मुनाफा होगा। आज घर में किसी बच्चे की किलकारी संबंधी शुभ सूचना मिलने से ख़ुशी भरा माहौल बन जायेगा।

शब्द पहेली - 8308

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	8		9		■	■	
10		11	■		■	12		
■	■	13		■	14		■	■
15			■	16	■	17		18
	■	■	19		20		■	
21	22	■		■		■	23	
■	24			■	25			■

बाएँ से दाएँ

1. तरंग, हिलोर-3
3. झगड़ा, द्वेष, कहासुनी-3
5. पार्थिव देह-2
6. जरा, थोड़ा-2
8. रहस्य जानने वाला-4
10. दरवेश, औलिया, पीर-3
12. बहुतांश-3
13. राजनीतिक पार्टी-2
14. हिरासत-2
15. साजन, प्रेमी-3
17. देवर्षि-3
19. भगवान, रब, करतार -4
21. श्रवणेंद्रिय-2
23. प्राण, जीवन तत्व-2
24. द्रव पदार्थ-3
25. डोली उठाने वाले-4

ऊपर से नीचे

1. भगवान राम का एक पुत्र-2
2. दया, करुणा-3
3. शर्ट, बुशर्ट-3
4. अधिकार-2
5. भद्र, कुलीन-3
7. बड़ा भवन, कोठी-3
8. हमेशा, हर पल-4
9. यात्री, पथिक, राहगीर-2
12. कुख्यात-2,2
15. तमीज, तहजीब-3
16. रात्रि, रजनी-2
18. शोषण करना, दबाना-3
19. आसान, सीधा-3
20. नाव चलाने वाला-3
22. झुका हुआ-2
23. मर्तबान, रुस का राजा-2

शब्द पहेली -8307 का हल

म	न	■	श	री	र	■	ज	ला
त	■	ह	र	म	■	न	हा	ना
■	आ	रा	म	■	रा	ज	न	■
क	स	म	■	ल	ह	र	■	त
र	न	■	ग	ल	त	■	भ	ला
म	■	स	ब	क	■	का	र	क
■	आ	ब	रु	■	ह	र	ना	■
म	ह	ल	■	का	र	ण	■	त
न	ट	■	क	ल	म	■	शा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा के आदर्श रहे जान जेलेज्नी बने उनके कोच

नई दिल्ली। लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने अपने करियर में एक रोमांचक नए अध्याय की शुरुआत की। उन्होंने शनिवार को जैवलिन थ्रो के दिग्गज जान जेलेज्नी के साथ एक नई पारी की शुरुआत की है। तीन बार के ओलंपिक चैंपियन और मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक जेलेज्नी लंबे समय से चोपड़ा के आदर्श रहे हैं और अब वे कोच के रूप में उनका मार्गदर्शन करने वाले है। दरअसल, नीरज अभी तक जर्मन कोच क्लॉस बार्टोनिएट्ज के साथ काम कर रहे थे, लेकिन बार्टोनिएट्ज ने हाल ही में कोचिंग से संन्यास लिया है। चोपड़ा ने कहा, मैं हमेशा से जान की तकनीक और सटीकता का मुरीद रहा हूं। वह इतने वर्षों तक खेल में सर्वश्रेष्ठ रहे और मेरा मानना है कि उनके साथ काम करना अमूल्य होगा क्योंकि हमारे थ्रो करने की शैली काफी मेल खाती है। उनका ज्ञान बेजोड़ है और भविष्य में उनका मार्गदर्शन मेरे लिए अहम साबित होगा। अपने

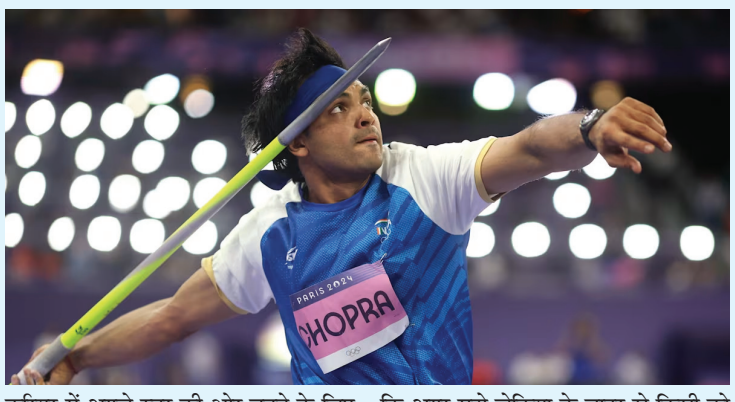

करियर में अगले स्तर की ओर बढ़ने के लिए जान का मेरे साथ होना सम्मान की बात है। वहीं जेलेज्नी ने कहा, मैंने कई साल पहले ही नीरज के बारे में एक बेहतरीन प्रतिभा के रूप में बात की है। जब मैंने उन्हें उनके करियर की शुरुआत में देखा था, तब मुझे शीर्ष परिणामों के लिए बहुत संभावनाएं महसूस हुईं। मैंने कहा कि अगर मुझे चेकिया के बाहर से किसी को कोचिंग देनी पड़े, तब मेरी पहली पसंद नीरज ही होगा। मुझे उनकी कहानी पसंद है और मुझे उनमें बहुत संभावनाएं नजर आती हैं, क्योंकि वह युवा हैं और सुधार करने में सक्षम हैं। कई एथलीट कोचिंग के लिए मुझसे संपर्क कर रहे हैं, इसलिए मेरे लिए यह काम करना बहुत सम्मान की बात है। हम एक-दूसरे को और करीब से जान रहे हैं और दक्षिण अफ्रीका में एक पारंपरिक शीतकालीन शिविर में व्यक्तिगत रूप से शुरुआत करने वाले है। मुझे उनकी प्रगति पर विश्वास है, खासकर तकनीकी पहलू में, ताकि वह मुख्य चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल करना जारी रख सकें। 1992, 1996 और 2000 ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक विजेता जेलेज्नी के नाम अब तक के दस सर्वश्रेष्ठ थ्रो में से पांच हैं, और उन्होंने 1996 में जर्मनी में 98.48 मीटर के वर्तमान रिकॉर्ड को हासिल करने के दौरान चार बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ा था। जब चोपड़ा ने टोक्यो 2020 में स्वर्ण पदक जीता था, तब जान जेलेज्नी दोनों अन्य पदक विजेताओं जैकब वाडलेज (रजत) और विटेजस्लाव वेस्ली (कांस्य) के कोच थे। उन्होंने दो बार की ओलंपिक चैंपियन और तीन बार की विश्व चैंपियन बारबोरा स्पोटाकोवा को भी कोचिंग दी है।

ईश्वरन, राहुल या शुभमन गिल में से किसी एक को मिल सकती है ओपनिंग की जिम्मेदारी

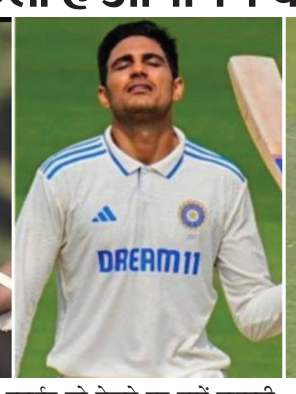

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा निजी कारणों से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि उनकी जगह पारी की शुरुआत कौन करेगा। अगर रोहित शर्मा पहले टेस्ट से बाहर रहते हैं, तो उनकी जगह ओपनिंग करने के लिए कई खिलाड़ी दौड़ में हैं। बीसीसीआई के अनुसार, अभिमन्यू ईश्वरन को बैकअप ओपनर के तौर पर टीम में चुना गया है। घरेलू क्रिकेट में उनके अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग की जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसके अलावा अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल भी ओपनिंग के दावेदार हैं, जिन्हें खासतौर पर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भेजा गया था। हाल के समय में उनका बल्ला रन बनाने में नाकाम रहा है, लेकिन विदेशी धरती पर उनकी बेहतरीन पारियों को देखते हुए उन्हें पर्थ टेस्ट में मौका मिल सकता है। एक और विकल्प शुभमन गिल के रूप में है, जिन्होंने हालिया सीरीज में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की है, लेकिन उनका ओपनिंग में भी अच्छा रिकॉर्ड है। यदि टीम मैनेजमेंट को एक इन-फॉर्म बल्लेबाज की जरूरत होगी, तो गिल को यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग के लिए चुना जा सकता है। भारतीय टीम के लिए पर्थ टेस्ट में ओपनिंग की जिम्मेदारी को लेकर कई विकल्प खुले हैं, और आखिरी फैसला टीम की मौजूदा रणनीति और खिलाड़ी की फिटनेस पर निर्भर करेगा।

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

कैनबेरा। ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज यानी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। दोनों टीमों के बीच सीरीज की शुरुआत 22 नवंबर से हो रही है। पहला मैच पर्थ में खेला जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को पहले टेस्ट के लिए 13 सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान किया। दल में युवा नाथन मैकस्वीनी को शामिल किया गया है। मैकस्वीनी ने हाल ही में भारत-ए के खिलाफ अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया है। इसके अलावा विकेटकीपर जोश इंगलिस को भी पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। इनके अलावा बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ टीम को मजबूती प्रदान करेंगे। इनके अलावा ट्रैविस हेड और मिचेल मार्श तथा विकेटकीपर एलेक्स कैरी शामिल हैं। तेज गेंदबाजों में कप्तान पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड के साथ स्कॉट बोलैंड शामिल हैं। स्पिन गेंदाबाजी में अनुभवी नाथन लियोन दिखेंगे। चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली का मानना है कि टीम अच्छी तरह से संतुलित है और उनका अनुमान है कि यदि मैकस्वीनी को पदार्पण का मौका मिलता है तो वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे। बेली ने कहा कि

मैकस्वीनी ने वे गुण प्रदर्शित किए हैं जिनके बारे में हमारा मानना है कि वे टेस्ट क्रिकेट के लिए उन्हें अच्छी तरह तैयार करेंगे। साथ ही घरेलू क्रिकेट में उनका हालिया रिकॉर्ड अच्छा है। उन्होंने कहा, ''इसी तरह, जोश शेफील्ड शील्ड प्रतियोगिता में शानदार फॉर्म में रहे और वह टेस्ट टीम में जगह पाने का हकदार है। उन्होंने कहा कि टीम संतुलित है और एंड्रयू तथा पैट को एक रोमांचक श्रृंखला के लिए आवश्यक विकल्प प्रदान करती है।

पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीमः पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, नाथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क।

वर्ल्ड पैराग्लाइडिंग कप के बाद अब धर्मशाला के नरवाना में दिखेगा मानवीय परिंदों का रोमांच

धर्मशाला। विश्व विख्यात बीड़ बिलिंग घाटी के बाद अब धर्मशाला की नरवाना साइट में 16 नवंबर से मानवीय परिंदों का रोमांच देखने को मिलेगा। धौलाधार पैराग्लाइडिंग एक्यूरेसी प्री वर्ल्ड कप प्रतियोगिता 16 नवंबर से नरवाना में शुरू हो रही है जो कि 20 नवंबर तक आयोजित की जाएगी। प्री वर्ल्ड कप स्तर की इस प्रतियोगिता में अभी तक 13 देशों के 87 पैरापायलट पंजीकरण करवा चुके हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में कुछ और पायलट भी इस प्रतियोगिता का हिस्सा बनने वाले हैं। गौरतलब है कि अभी बीते दिन शनिवार को बीड़ बिलिंग साइट में आठ दिवसीय पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिता का समापन हुआ है जिसमें अमेरिका के ऑस्टिन कॉक्स ऑल ओवर कैटेगरी में वर्ल्ड कप विजेता बने हैं। जबकि पोलैंड की जोआना कोकेट महिला वर्ग में विजेता रही हैं। बीड़ बिलिंग में पैराग्लाइडिंग वर्ल्ड कप का समापन होने के बाद अब धर्मशाला के नरवाना साइट में एक्यूरेसी प्री पैराग्लाइडिंग वर्ल्ड कप का

रोमांच शुरू होने वाला है, इसके लिए नरवाना पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। एडवेंचर स्पोर्ट्स फेडरेशन हिमाचल प्रदेश एवं नरवाना एडवेंचर क्लब के अध्यक्ष एवं धर्मशाला से विधायक सुधीर शर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता के लिए कुल 120 पायलट हिस्सा ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह दूसरा मौका है जब धर्मशाला के साथ लगते नरवाना साइट में एक्यूरेसी प्री वर्ल्ड कप का आयोजन किया जा रहा है। पिछले साल भी इस प्रतियोगिता का सफल आयोजन यहां किया गया था। सुधीर शर्मा ने बताया कि विश्व के 13 देशों के पायलट अभी तक प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए अपना पंजीकरण करवा चुके हैं जिनमें भारत सहित नेपाल, चीन, इंडोनेशिया, मलेशिया, अमेरिका, फ्रांस, आयरलैंड, स्पेन मंगोलिया, सऊदी अरब, मेक्सिको और कजाकिस्तान के प्रतिभागी शामिल हैं। बीड़ बिलिंग में वर्ल्ड कप का समापन होने के बाद अब इस प्रतियोगिता के लिए और भी पायलटों के पंजीकरण की उम्मीद है। उधर एसोसिएशन के प्रवक्ता मुनीश कपूर ने बताया कि प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। सभी प्रतिभागियों के ठहरने और अन्य सुविधाओं को लेकर एसोसिएशन जुटी हुई है।

व्यापार

व्यापक आर्थिक आंकड़ों, एफआईआई के रुख तय करेंगे बाजार की दिशा: विश्लेषक

कच्चा तेल, रुपया-डॉलर विनिमय दर में उतार-चढ़ाव का भी बाजार पर असर रहेगा

मुंबई। इस सप्ताह शेयर बाजार की दिशा व्यापक आर्थिक संकेतकों, तीसरी तिमाही के नतीजों, वैश्विक रुझानों और विदेशी निवेशकों की धारणा से तय होगी। विश्लेषकों ने यह बात कही है। गुरु नानक जयंती के अवसर पर शुक्रवार को शेयर बाजार बंद रहेगा। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि भारत में सीपीआई और आईआईपी के आंकड़े 12 नवंबर को जारी होंगे, जबकि डब्ल्यूपीआई के आंकड़े 14 नवंबर को आ सकते हैं। वैश्विक स्तर पर, अमेरिका 13 नवंबर को अपनी मुद्रास्फीति रिपोर्ट जारी करेगा, जिसका असर फेडरल रिजर्व की आगामी नीति दिशा पर पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि प्रमुख वैश्विक घटनाओं और तीसरी तिमाही के नतीजों के बाद बाजार का ध्यान प्रमुख

आर्थिक संकेतकों पर जाएगा। इस सप्ताह बैंक ऑफ इंडिया, बीईएमएल, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी, अपोलो टायर्स और ब्रेनबीज सॉल्यूशंस जैसी कंपनियों के तिमाही नतीजों की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और डॉलर इंडेक्स का प्रदर्शन महत्वपूर्ण होगा। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड और रुपया-डॉलर विनिमय दर में उतार-चढ़ाव का भी बाजार पर असर पड़ेगा। एक अन्य बाजार विश्लेषक ने बताया कि बाजार की दिशा भारत के सीपीआई, औद्योगिक उत्पादन, विनिर्माण डेटा और यूएस सीपीआई, कोर सीपीआई, शुरुआती बेरोजगारी दावे, यूके के जीडीपी आंकड़े और चीन के औद्योगिक उत्पादन डेटा से प्रभावित होगी। उन्होंने कहा है कि भारतीय बाजार में कमजोरी का मुख्य कारण एफआईआई की ओर से लगातार बिकवाली का दबाव है, जो इस महीने भी जारी रहा है। उन्होंने कहा कि मिश्रित वैश्विक कारक और कमजोर तिमाही नतीजों से बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव हो सकता है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से छह का मार्केट कैप 1.55 लाख करोड़ घटा

रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बरकरार

मुंबई। पिछले सप्ताह बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के लिहाज से देश की शीर्ष 10 कंपनियों में छह का बाजार पूंजीकण 1,55,721.12 करोड़ रुपये घट गया। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार मूल्यांकन घट गया। दूसरी ओर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस और भारतीय स्टेट बैंक को फायदा हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 74,563.37 करोड़ रुपये घटकर 17,37,556.68 करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 26,274.75 करोड़ रुपये घटकर 8,94,024.60 करोड़ रुपये रह गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 22,254.79 करोड़ रुपये घटकर 8,88,432.06 करोड़ रुपये और आईटीसी का मूल्यांकन 15,449.47 करोड़ रुपये घटकर

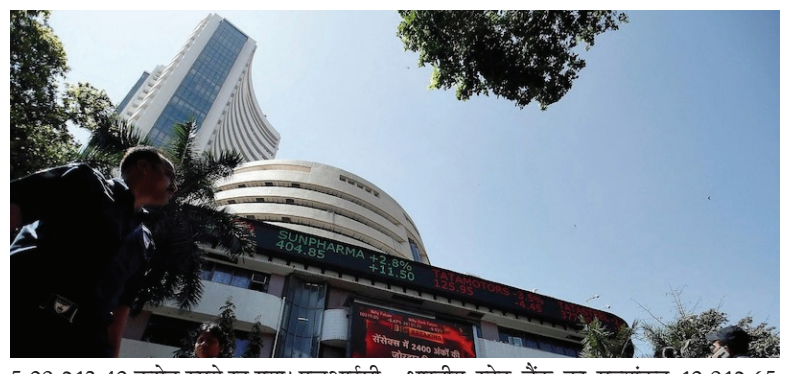

5,98,213.49 करोड़ रुपये रह गया। एलआईसी के बाजार पूंजीकरण में 9,930.25 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में 7,248.49 करोड़ रुपये की कमी हुई। दूसरी ओर टीसीएस का मूल्यांकन 57,744.68 करोड़ रुपये बढ़कर 14,99,697.28 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का मूल्यांकन 28,838.95 करोड़ रुपये बढ़कर 7,60,281.13 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 19,812.65 करोड़ रुपये बढ़कर 7,52,568.58 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान है।

भाव बढ़ने, शादी-विवाह की मांग से तेल-तिलहन कीमतों में सुधार

देश में मूंगफली तेल-तिलहन के दाम 5-7 रुपए घटे

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में खाद्यतेलों के दाम मजबूत होने तथा शादी विवाह के मौसम की मांग बढ़ने के कारण देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम मजबूत रहे। आवक बढ़ने और निर्यात मांग कमजोर रहने के बीच मूंगफली तिलहन के दाम पिछले सप्ताहांत के स्तर पर बने रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार मूंगफली की आवक बढ़ रही है और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से भी नीचे दाम पर बिक रही है। मूंगफली तेल मिल वालों को मूंगफली तेल के निर्यात मांग बढ़ने का इंतजार है। विदेशी तेलों के दाम लगभग 15 प्रतिशत बढ़े हैं, अपितु देश में मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में 5-7 रुपये लीटर घटे हैं।

कुछ खाद्यतेल समीक्षकों को दाम में बेतहाशा वृद्धि की उम्मीद हो रही थी, लेकिन मूंगफली और सोयाबीन किसानों के उत्पादन में मुश्किलों के साथ कुछ समस्याएं हैं। सरकारी खरीद की गारंटी की वजह से कपास की अच्छे दामों पर खपत बढ़ रही है, जिससे किसान अपने माल को अच्छे दाम में बेच सक रहे हैं। सरकार को देशी तेल-तिलहनों का बाजार विकसित करने और तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाने की प्राथमिकता देनी चाहिए। भावांतर में सरसों दाने का थोक भाव अपने पिछले सप्ताह की तुलना में 15 रुपये के सुधार के साथ 6,615-6,665 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल तो 14,125 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव में 175-175 रुपये की गिरावट के साथ अपने पिछले सप्ताह की तुलना में 4,550-4,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार मूंगफली और सोयाबीन किसानों को उत्पादन बढ़ाने के विविध योजनाओं की आवश्यकता है ताकि उन्हें हिम्मत और साहस बना रखने में मदद मिल सके।

भारत में ओबेन रार ईझेड इलेक्ट्रिक बाइक उपलब्ध

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में अब ओबेन रार ईझेड इलेक्ट्रिक बाइक उपलब्ध है। बाइक की शुरुआती कीमत 89,999 रुपए एक्स-शोरूम है। यह कीमत एक इंट्रोडक्ट्री ऑफर के तहत सीमित समय के लिए लागू है। इस बाइक की बुकिंग भी कंपनी ने शुरू कर दी है। ग्राहक केवल 2,999 रुपए का टोकन अमाउंट देकर इसे बुक कर सकते हैं। ओबेन रार ईझेड को तीन बैटरी वेरिएंट्स में पेश किया गया हैः 2.6केडब्ल्यूएच, 3.4केडब्ल्यूएच, और 4.4केडब्ल्यूएच। 2.6केडब्ल्यूएच बैटरी वेरिएंट को फुल चार्ज करने पर यह 110 किलोमीटर तक रेंज देता है, और इसे चार्ज करने में 45 मिनट का समय लगता है। 3.4केडब्ल्यूएच वेरिएंट 140 किलोमीटर की रेंज देता है, और इसे फुल चार्ज करने में 1.5 घंटे का वक्त लगता है। सबसे बड़ा 4.4केडब्ल्यूएच बैटरी वेरिएंट 175 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है, जिसे चार्ज होने में 2 घंटे का समय लगता है। इस बाइक की टॉप स्पीड 95 किलोमीटर प्रति घंटा है और यह केवल 3.3 सेकंड में 0 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति पकड़ सकती है। इसके अलावा, बाइक में आईपी67 प्रमाणित बैटरी पैक, 52 एनएम का पीक टॉर्क, राउंड एलईडी हेडलाइट, और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसी सुविधाएं भी दी गई हैं। इसके अलावा, इसे ओबेन के सिग्नेचर नियो-क्लासिक डिज़ाइन में डिजाइन किया गया है और इसमें तीन ड्राइव मोड इको, सिटी, और हैवॉक भी दिए गए हैं।

केंद्र ने अब तक पंजाब से 121 लाख टन धान खरीदा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पंजाब से अब तक कुल 120.67 लाख टन धान खरीदा है, जो अनुमानित लक्ष्य का 65 प्रतिशत है। हाल ही में एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। केंद्र सरकार ने चालू खरीफ विपणन सत्र 2024-25 के लिए 185 लाख टन धान खरीद का अनुमानित लक्ष्य रखा है, जो 30 नवंबर तक चलेगा। बयान के अनुसार आठ नवंबर 2024 तक पंजाब की मंडियों में कुल 126.67 लाख टन धान की आवक हो चुकी है, जिसमें से 120.67 लाख टन सरकारी एजेंसियों और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा खरीदा जा चुका है। सरकार द्वारा ग्रेड ए धान की खरीद 2,320 रुपये प्रति क्विंटल के निर्दिष्ट न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर की जा रही है। बयान में कहा गया है, मौजूदा केएमएस (खरीफ विपणन सत्र) 2024-25 के दौरान, सरकार द्वारा

अब तक कुल 27,995 करोड़ रुपये की धान खरीद की गई है, जिससे पंजाब के लगभग 6.58 लाख किसानों को लाभ हुआ है। इसके अलावा, 4,839 मिलों ने धान मिलिंग के लिए आवेदन किया है, और 4,743 मिलों को पंजाब सरकार द्वारा पहले ही काम आवंटित किया जा चुका है। पंजाब में केएमएस 2024-25 के लिए धान की खरीद 1 अक्टूबर, 2024 से शुरू हुई और किसानों से सुचारू खरीद के लिए पूरे राज्य में कुल 2,927 नामित मंडियां और अस्थायी यार्ड खोले गए हैं। मंडियों से धान की उठान जोरों पर है और उठाई जा रही मात्रा दैनिक आवक से अधिक है। बयान में पुष्टि की गई है, धान की खरीद इस तरह से सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है।

फिल्म द साबरमती रिपोर्ट का ट्रेलर जारी

पत्रकार की भूमिका में खूब जंचे विक्रांत मैसी

द साबरमती रिपोर्ट के टीजर में भारत के हालिया इतिहास की एक चौंकाने वाली और प्रभावशाली घटना की झलक देखने मिली थी. लेकिन ये बस उस हादसे की झलक थी. मेकर्स ने अब तक दर्शकों को दिलचस्प पोस्टर्स के साथ बांधे रखा था. वहीं अब उस कड़वी सच्चाई को दिखाने वाली फिल्म का दमदार ट्रेलर को रिलीज हो गया है. 27 फरवरी 2002 की सुबह साबरमती एक्सप्रेस में क्या हुआ, इसकी सच्चाई को दिखाते हुए, द साबरमती रिपोर्ट का बेसब्री से इंतजार किया जाने वाला ट्रेलर अब सामने आ गया है. ये ट्रेलर हमें एक ऐसी घटना के सफर पर ले जाता है, जिसने भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक चेहरे को बदल दिया. इस घटना पर ये नजरिया कभी ज्यादा चर्चा में नहीं आया, लेकिन इसने कई जिंदगियों को प्रभावित किया है. विक्रांत मैसी, राशी खन्ना और रिद्धि डोगरा पत्रकारों के किरदारों में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. ट्रेलर से ये साफ हो गया है कि यह फिल्म एक गहरी छाप छोड़ेगी, जो इस दिल दहला देने वाली घटना की सच्चाई को उजागर करेगी और दर्शकों को जागरूक करेगी. इस ट्रेलर में हिंदी भाषी और अंग्रेजी पत्रकारों के बीच का वैचारिक अंतर सामने लाया गया है, जो पश्चिमी प्रभाव से इंस्पायर होते हुए भी दुखद घटनाओं की राजनीति और कवरेज को प्रभावित करते हैं. बालाजी मोशन पिक्चर्स, बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड का एक डिविजन और विकिर फिल्म्स प्रोडक्शन के बैनर तले प्रेजेंट, द साबरमती रिपोर्ट में विक्रांत मैसी, राशी खन्ना और रिद्धि डोगरा लीड रोल में हैं. फिल्म को धीरज सरना ने डायरेक्ट और शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अमूल वी मोहन और अंशुल मोहन ने प्रोड्यूस किया है. द साबरमती रिपोर्ट 15 नवंबर 2024 को वर्ल्डवाइड सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

पुष्पा: द रूल में नजर आएंगी श्रीलीला

अल्लू अर्जुन के साथ करेंगी डांस

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा: द रूल इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। यह 2021 में आई फिल्म पुष्पा: द राइज का सीक्वल है, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुआ।पुष्पा: द रूल 5 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।अब खबर आ रही है कि पुष्पा: द रूल की स्टार कास्ट में शामिल हो गई हैं। वह फिल्म में अल्लू के साथ एक गाने में डांस करती नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, पुष्पा: द रूल के आइटम नंबर के लिए श्रीलीला को चुना गया है।इससे पहले निर्माताओं ने श्रद्धा कपूर से भी संपर्क किया था, लेकिन मुंहमांगी रकम के कारण निर्माताओं ने उनकी छुट्टी कर दी। इसके अलावा इस आइटम नंबर के लिए तृप्ति डिमरी से भी बात हो चुकी है।श्रीलीला फिल्म के एक विशेष गाने में डांस करती नजर आएंगी। इस दौरान अल्लू उनका साथ देने वाले हैं।<पुष्पा: द रूल के निर्देशन की कमान सुकुमार कर रहे हैं। पहले भाग का निर्देशन भी उन्होंने ही किया था। फहद फासिल भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी तड़का लगाते हुए नजर आएंगे।पुष्पा: द रूल हिंदी समेत तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ के साथ बंगाली भाषा में भी रिलीज होगी। यह पहली पैन-इंडिया फिल्म है, जो बंगाली भाषा में रिलीज होने वाली है।सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

आजाद से राशा थडानी की पहली झलक आई सामने, अमन देवगन दिखे साथ

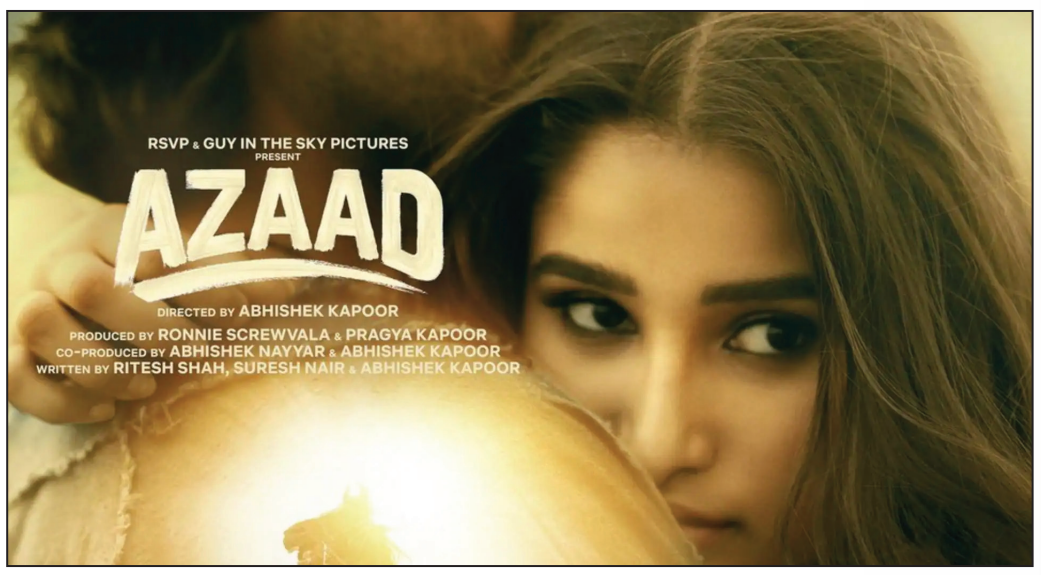

अभिनेत्री रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। पिछले कुछ समय से वह अपनी पहली फिल्म आजाद को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं।इस फिल्म में राशा की जोड़ी अजय देवगन के भांजे अमन देवगन के साथ बनी है।अब आजाद से राशा की पहली झलक सामने आ चुकी है। सामने आए पोस्टर में वह अमन के साथ नजर आ रही हैं। दोनों की केमिस्ट्री को प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं। राशा और अमन के अलावा फिल्म आजाद में अजय देवगन भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।यह फिल्म अगले साल जनवरी में सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। रोनी स्क्रूवाला इस फिल्म के निर्माता हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान अभिषेक कपूर ने संभाली है।अजय ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, हर यादगार कहानी की शुरुआत एक प्रेम कहानी से होती है।डायना पेंटी, मोहित मलिक और पीयूष मिश्रा जैसे कलाकार भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

रिवीलिंग लहंगा पहन पूजा हेगड़े ने इंटरनेट पर लगाई आग, एक्ट्रेस की हॉटनेस देख होश खो बैठे फैंस

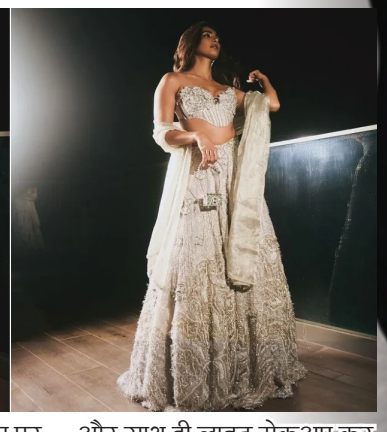

बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा हेगड़े हमेशा अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। वो जैसे ही अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक्स में फोटोज शेयर की हैं, जिसमें उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एक्ट्रेस पूजा हेगड़े आए दिन लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंस्टाग्राम पर आते ही छाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका सिजलिंग अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। लेटेस्ट फोटोशूट में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने सिल्वर कलर का लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक पोज देती हुई नजर आ रही हैं। ओपन हेयर को कर्ली स्टाइल में लुक कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। पूजा हेगड़े जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। बता दें कि एक्ट्रेस पूजा हेगड़े सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है।

The issues that strains India Nepal relations

Sagar Suraj

Nepal and India's relationship is complex, with both nations sharing historical and cultural ties, but also experiencing tensions and frustrations. India has been supportive of Nepal during times of crisis, such as the 2015 earthquake, providing rescue efforts and rehabilitation aid.

India's financial contributions to Nepal's development have also been significant, with a 29.41% increase in annual grants in 2022-23 and an allocation of Rs 8.8 billion in the 2023-24 budgets. Thousands of Gorkha soldiers are still serving in the Indian army and the money they earned would be invested in fostering their family back in the Himalyan Nation. Families of either country can freely work in either nation and the 1800 km long porous border helps them to do so. Nepal's citizens prefer Bollywood movies and songs. Thus, Indian cultures have largely influenced Himalyan people. Both the nations share their cultural and social ties since its inception.

But question remains: who instigates Nepal against India- the country, which would foster Nepal- a landlocked nation, the country, which good gesture for its Himalayan neighbor has always been appreciated across the world. Have Nepal's diplomats, media or China been winding up anti-india sentiments in Nepal or other factors are behind all this. However, several issues have caused strains between the two nations. ***Border Disputes Between Both the Nation***-The India-Nepal border dispute is a complex issue that's been simmering for decades. The main point of contention is the 1,850-kilometer open border, which has seen territorial disputes and encroachments by Nepali security forces into Indian lands, resulting in killings and extortion of Indian citizens. - Kalapani: A 35 square kilometer area at the trijunction of India, Nepal, and China, where India claims the Kali River originates in the Pankhagad rivulet, while Nepal asserts the Lipu Gad river is the Kali River. - Susta: India claims around 100 square km area of Susta in West Champaran district of Bihar has been encroached by Nepal. - Limpiyadhura, Lipulekh, Mechi, and Tanakpur : Both countries claim encroachment by the other. Nepal's recent actions, such as including disputed territories in its new currency notes, have escalated tensions. India has called on Nepal to honor sovereignty, engage in dialogue, and abstain from making baseless claims. The dispute's roots lie in historical uncertainty and contrasting views on border delineations. Nepal cites historical treaties and cartographic evidence, while India retains control, citing historical precedence and strategic necessity. To resolve this, India and Nepal must prioritize communication and mutual respect. India should utilize its historical ties with Nepal to persuade the new leadership that China's intentions are exploitative. A proactive dialogue and diplomatic solutions are crucial to address territorial disputes and geopolitical tensions. ***Dispute over Buddha Birth Place***-The dispute over Buddha's birthplace has been a longstanding issue between India and Nepal, with strong emotions running high, especially in Nepal, which has a significant Buddhist population. In 2013, Indian media sparked protests in Nepal by suggesting Buddha was born in India. This led to Nepalese youth taking to social media and the streets to express their discontent. India's External Affairs Minister, S. Jaishankar, further fueled the controversy in 2020 by describing Buddha as one of the greatest Indians ever.

Nepal's foreign ministry quickly responded, pointing out that historical and archaeological evidence confirms Buddha's birthplace as Lumbini, Nepal. India's External Affairs Ministry spokesperson later clarified that Jaishankar's remarks referred to the shared Buddhist heritage between India and Nepal .

Despite these tensions, most scholars agreethat Buddha was indeed born in Lumbini, Nepal around. 623 BC. Lumbini is recognized as a UNESCO World Heritage site and is considered the birthplace of Buddha and the foundation of Buddhism. Interestingly, India has been using Buddhism as a soft power tool in its diplomacy, highlighting its historical ties to other nations. India's Prime Minister, Narendra Modi, visited Lumbini in 2022, accompanied by Nepal's Prime Minister, Sher Bahadur Deuba, to lay the foundation stone for the India International Center for Buddhist Culture and Heritage. India and Nepal disagree over Buddha's birthplace, with India suggesting it's in India and Nepal asserting it's in Lumbini, Nepal. - Historical Evidence: Nepal's foreign ministry cites historical and archaeological evidence to support Lumbini as Buddha's birthplace. - Shared Buddhist Heritage: India's External Affairs Ministry emphasizes the shared Buddhist heritage between India and Nepal. Similar situation was raised in 2021, when Nepal's PM KP Sharma Oli claimed that Sri Ram-the Hindu Deity born in 'Ayodhyapuri' located in Birgunj city in Nepal- thousands of km away from Ayodhya of India where Sri Ram was actually born and brought up. "Big Brother" Behavior: Nepalis object to India's perceived "micromanagement" and framing of Nepal as India's "young brother." Nepal, as the oldest sovereign country in South Asia, values its independence and sovereignty. - Unequal Diplomatic Agreements: Nepal's public perceives agreements like the Gandaki, Koshi, and Mahakali water treaties, and the 1950 Peace and Friendship Treaty, as benefiting India more. Many Nepali politicians advocate revising these treaties to ensure equality. Trade Blockades have been a major point of contention, with India imposing blockades in 1975, 1989, and 2015. The 2015 blockade, which occurred after the earthquake, led Nepal to sign a trade and transit agreement with China. This blockade also caused severe fuel and medicine shortages, isolating Nepal from the rest of the world. "Nepal's Constitution and Madhesi Ethnic Minorities" is another issue. Nepal's new constitution marginalized Madhesi ethnic minorities, who are culturally close to India. This led to violent protests and demands for India to intervene in 2015. India's response was to launch a massive blockade, which further exacerbated tensions. "Geographical Disadvantages" also play a role in Nepal's tensions with India.

As a landlocked nation, Nepal relies heavily on India for imports, including petroleum. India's control over Nepal's borders and trade routes has led to feelings of frustration and dependence. "China's Influence" is also a factor, with Nepal seeking to balance its relationships between India and China. Nepal remained in bargaining mode, has signed trade agreements with China and receives financial aid from both nations. It's clear that this sensitive issue requires careful diplomacy to resolve. By acknowledging the shared cultural significance of Buddhism, India and Nepal can work towards strengthening their ties and promoting regional peace. Despite these tensions, recent developments suggest a thawing in relations. Nepal's Foreign Minister Dr. Arzu Rana Deuba's visit to India in August 2024 marked a new achievement in energy trade, with Nepal importing an additional 251 MW of electricity from India.

This cooperation aligns with Indian Prime Minister Narendra Modi's vision of regional development through economic collaboration. In summary, while India has been supportive of Nepal in times of crisis, several issues have contributed to tensions and frustrations between the two nations. It's essential for both nations to address these underlying issues to strengthen their relationship, focusing on mutual benefit and respect for sovereignty.

(Author is editor in chief of Border News Mirror)

Congress And It's Allies Can Never See The Tribals At Heights: PM Modi

Gumla: Prime Minister Narendra Modi, while addressing an election rally organized at Gumla Airport Ground in Jharkhand on Sunday, termed Congress, JMM and RJD as enemies of the tribals. He said that Congress and its allies cannot see the tribals at a high place.

BJP made Draupadi Murmu, daughter of the tribal society, the President of the country, but the whole country knows how the Congress has behaved with Draupadi Murmu. Congress used all its power to defeat her in the Presidential election. What happened with Champai Soren in Jharkhand is the result of this thinking. PM Modi said that wherever I got the opportunity to go in Jharkhand in this election, every rally there broke the record of the previous rally. The crowd of people who came to the Gumla rally tells what is the direction of the wind. He said that to stop infiltration in Jharkhand and to save the identity of Jharkhand, a BJP government is needed here. A BJP government is needed to provide jobs to the youth and security to women. Today, the first choice of tribals, OBCs and Dalits is BJP and NDA. Targeting JMM and Congress, he said that these two parties have always kept Jharkhand backward, while BJP and NDA have made Jharkhand the center of big schemes. Earlier, schemes used to start from Delhi.

We started the Mudra Yojana, which gives loans without guarantee, from Dumka. Ayushman Bharat Yojana was started from Ranchi and PM Jan Man Yojana from Khunti. The BJP government is going to spend 80,000 crores in tribal villages. With this money, good schools will be built, good hospitals will be built, training centers will be built for the children here.

He said that the BJP and NDA government is working on the basic principle of 'Sabka Saath, Sabka Vikas'. Jharkhand and India will develop on this path, but the intentions of JMM-Congress are different. The royal family of Congress wants to break the unity of Dalit, tribal and OBC society. They want to snatch the reservation given to SC-ST and OBC. Congress wants the tribal community to fight among themselves and become weak. They want Oraon to fight with Munda and Cheek-Badaik with Mahali. Referring to the money recovered during raids at Congress leaders' houses in Jharkhand, PM Modi said that you have seen mountains of notes of JMM and Congress ministers, but Modi will not let your money be looted. Those who have looted your money will have to return it and spend their lives in jail. JMM-Congress has caused the most harm to the youth of Jharkhand. In the last five years, there is no paper that has not been leaked. There is no government recruitment in which there has not been rigging.

The BJP-NDA government will settle accounts for all their corruption. He said that the NDA government has given the highest priority to small farmers in the last ten years. This is the reason why 500 crores of PM Samman Nidhi have reached the accounts of Gumla farmers. 'Shri Anna' like Ragi is grown in Gumla.

We are going to deliver the Ragi crop to the whole world in the form of 'Shri Anna'. The announcements made by Jharkhand BJP for the farmers are very praiseworthy. After November 23, the NDA government will fulfill all the guarantees, this is my guarantee. India will develop only when women develop. The same thing is for the mothers and sisters of Jharkhand. PM Modi said that Jharkhand BJP has also announced the Gogo Didi scheme.

Under the Gogo Didi scheme, thousands of rupees will be deposited in the accounts of women every month. He appealed to the people to make the candidates of BJP, AJSU, JDU and LJP victorious and said that your every vote will give impetus to the dream of developed India, developed Jharkhand. I have to give a permanent house to every poor in Jharkhand. It is the power of your vote that Modi is able to give a house to every poor.

Law and order situation in Delhi is bad : Arvind Kejriwal

New Delhi:According to Aam Aadmi Party (AAP) national convenor Arvind Kejriwal, on Sunday, a businessman living in Delhi's Rohini area was openly asked for extortion. If the BJP is not able to handle the law and order of Delhi, then how can the public give the responsibility of the entire Delhi to it. He alleged that the law and order situation in Delhi is bad. Aam Aadmi Party MLA and former Deputy Chief Minister of Delhi Manish Sisodia said on this that on Sunday morning, news has come in of extortion from a businessman in Delhi. Not a single day is passing when there is no news of open firing or extortion from different parts of Delhi. In an attempt to save the network of gangsters, BJP has ruined the law and order situation in Delhi. Such a bad situation has never been seen before. If

BJP is not able to handle law and order, then hand it over to the elected government of Delhi. Sisodia said that law and order will be brought under control in 10 days under the leadership of Arvind Kejriwal. Every day in Delhi, morning, afternoon, evening, incidents and videos of firing by brandishing pistols are coming out from some area or the other. Traders are being openly threatened of extortion. On Sunday morning also, a case of extortion from a bullion trader has come to light. It seems that BJP has brought Delhi to the condition in which the underworld used to rule Mumbai in the 90s. He said that today gangsters are openly ruling Delhi. No businessman or common man is feeling safe. Anyone whose business is doing a little better, he starts fearing that now a gangster will call him. Delhi Police, which is known as such a great police, has been ruined. BJP has ruined the law and order of Delhi to such an extent that despite being the capital of the country, cases of firing and extortion are coming to light in every corner of Delhi every day.